

Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0°C
न्यूनतम तापमान: 21.0°C
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

संजीवनी टुडे

समय के साथ बढ़ता अखबार

जयपुर, शनिवार, 07 सितम्बर 2024

अब होगी सुविधा की बात
संजीवनी टुडे के साथ
जम्मू/विश्व, वैश्विक वर्ल्डवाइड एवं
निर्भूत बढाई संदेश
मात्र 1100/-
साइज 8X9 cm
संजीवनी टुडे
विश्व के सबसे बड़े, सबसे, जयपुर, 07 सितम्बर 2024
www.sanjeevnitoday.com • Twitter: Sanjeevni • Facebook: Sanjeevni
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 93

पृष्ठ: 8 मूल्य: ₹ 1.50

हरियाणा में कांग्रेस की 2 लिस्ट जारी, 32 नाम

फाइटर प्लेन तेजस ने हवा में दिखाए करतब

विनेश फोगाट जुलाना से लड़ेगी, हुड्डा समेत 28 विधायकों को दोबारा टिकट

अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया के एयरक्राफ्ट भी गरजे, म्यूजिक परफॉर्मेंस देगी एयर वॉरियर ड्रिल टीम

संजीवनी टुडे

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 6 सितंबर को देर रात दो लिस्ट में 32 उम्मीदवारों का ऐलान किया। पहली लिस्ट में 31 उम्मीदवारों का ऐलान किया गया। डेढ़ घंटे बाद दूसरी लिस्ट में एक कैडिडेट का नाम घोषित किया। पार्टी ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा समेत अपने सभी 28 सिटिंग विधायकों पर फिर से भरोसा जताया है। पहली लिस्ट में 5 महिलाओं और 3 मुस्लिम चेहरों को भी टिकट मिला है। पार्टी ने पहली लिस्ट में पानीपत की इसराना सीट के मौजूदा विधायक बलबीर सिंह वाल्मीकि के नाम का ऐलान नहीं किया था। डेढ़ घंटे बाद उनके टिकट की घोषणा अलग से की गई। शुक्रवार दोपहर 3.13 बजे कांग्रेस में शामिल हुई पूर्व रिसलर विनेश फोगाट को जुलाना से उम्मीदवार बनाया गया है। विनेश फोगाट का ससुराल जींद जिले के बख्ता खेड़ा गांव में है, जो जुलाना विधानसभा सीट के तहत ही आता है। ये जट बहुत सीट है। भाजपा ने दो दिन पहले जारी अपनी पहली लिस्ट में 67 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे। राज्य में 5 अक्टूबर को मतदान होगा। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएगा। कांग्रेस ने पहली लिस्ट में जिन 3 मुस्लिम चेहरों को टिकट दी, उनमें मामन खान, मुहम्मद इलियास और आफताब अहमद शामिल हैं। इन्हें मुस्लिम बाहुल्य नूंह जिले की तीनों सीटों से उतारा।



6 जिलों में एक भी टिकट का ऐलान नहीं

कांग्रेस ने अपनी पहली लिस्ट में प्रदेश के 22 में से 6 जिलों के लिए एक भी उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया। इन जिलों में कैथल, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी-वादरी और गुरुग्राम शामिल हैं। कैथल में 4, फतेहाबाद में 3, हिसार में 7, भिवानी में 4, चरखी-वादरी में 2 और गुरुग्राम जिले में 4 विधानसभा सीटें हैं। 2019 के चुनाव में इनमें से भिवानी जिले की तोशामा सीट पर किरण चौधरी और हिसार जिले की आदमपुर सीट पर कुलदीप बिरोनोई कांग्रेस के टिकट पर जीते थे लेकिन अब ये दोनों ही नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। ऐसे में कह सकते हैं कि मौजूदा समय में इन 6 जिलों में कांग्रेस के पास एक भी सीट नहीं थी। कांग्रेस अपने वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के गृह जिले रोहतक की एक और सीटों पर भी सीटों पर कैडिडेट्स का ऐलान पहली लिस्ट में नहीं कर पाई। पार्टी ने रोहतक जिले की चार में से उन्हीं 3 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया जहां वह 2019 में विजयी रही थी।

झज्जर-नूंह की सभी सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान

कांग्रेस ने पहली लिस्ट में झज्जर जिले की चारों और नूंह जिले की तीनों सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया। 2019 के विधानसभा चुनाव में झज्जर जिले की चारों और नूंह जिले की तीनों सीटों कांग्रेस ने ही जीती थी। पार्टी ने यहां पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा गुट से ताल्लुक रखने वाले मौजूदा विधायकों पर ही भरोसा जताया है। 2019 में यही तीनों विधायक बने थे। मामन खान नूंह हिंसा का भी आरोपी है। वह अभी जमानत पर है। पार्टी की पहली लिस्ट में सिर्फ एक नए चेहरे पर दाव लगाया गया। यह चेहरा है विनेश फोगाट का जो जुलाना से चुनाव लड़ेगी। पार्टी हाईकमान ने सिरसा की लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा के 4 समर्थकों को टिकट दी। इनमें असंध से शमशेर सिंह गोपी, कालका से प्रदीप चौधरी, नारायणगढ़ से शैली चौधरी और साढ़ौरा से रेनु बाला शामिल हैं। यह चारों मौजूदा विधायक हैं। कांग्रेस ने पहली लिस्ट में 5 महिला चेहरे मैदान में उतारे। इनमें नारायणगढ़ से शैली चौधरी, साढ़ौरा से रेनु बाला, जुलाना से विनेश फोगाट, कलानीर से शकुंतला खटक और झज्जर से गीता भुक्कल शामिल हैं। पार्टी की पहली लिस्ट में 2019 का विधानसभा चुनाव हार चुके सिर्फ एक नेता चौधरी उदयभान को टिकट दी गई। उदयभान इस समय प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के करीबी हैं।

संजीवनी टुडे

जोधपुर। भारतीय वायु सेना का सबसे बड़ा अभ्यास 'तरंग-शक्ति' जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर चल रहा है। एक्ससाइज के 8वें दिन शुक्रवार को फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। आसमान में छापे काले बादल के कारण रिहर्सल अपने शेड्यूल टाइम से आधा घंटा देरी से शुरू हुई। मौसम साफ होने पर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ग्रीस के एयरक्राफ्ट के साथ ही भारत के तेजस, सुखोई-30 और जगुआर ने उड़ान भरी। जोधपुर के डोमैस्टिक एयरपोर्ट पर भी यात्रियों ने विमानों को अपने मोबाइल में कैद किया। सूर्यकिरण के हॉक्स विमान भी उड़ने थे, लेकिन बादलों के कारण उड़ान नहीं हुई। 7 सितंबर को ओपन डे रखा गया है। इस दिन वायुसेना की इवेंट टीम एयर वॉरियर ड्रिल टीम हाथ में राइफल लेकर म्यूजिक पर परफॉर्मेंस देगी। एक्ससाइज में शुक्रवार को फुल डे रिहर्सल के दौरान अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ग्रीस के एयरक्राफ्ट के साथ ही भारत के तेजस, सुखोई-30 और जगुआर ने उड़ान भरी। विदेशी विमानों को देखकर लोग काफी रोमांचित हुए। इनके अलावा स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर प्रचंड और ध्रुव ने कलाबाजी दिखाई। वहीं लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस ने भी हवा में रोटेट होकर अलग-अलग फॉर्मेशन में कलाबाजियां



दिखाकर रोमांचित किया। तेजस करीब 10 मिनट तक आसमान में रहा। फुल ड्रेस रिहर्सल को देखने आज एयरफोर्स के अधिकारियों व कर्मचारियों के परिवार के अलावा स्कूली बच्चे भी मौजूद पहुंचे थे। कार्यक्रम के लिए एयरफोर्स स्टेशन की ओर से 1 हजार पास बांट दिए थे, लेकिन इससे भी ज्यादा लोग कार्यक्रम देखने पहुंचे। आसमान में बादल छापे रहने से रिहर्सल करीब आधे घंटे देरी से शुरू हुई। एक्ससाइज में सूर्यकिरण के हॉक्स विमानों को भी शामिल होना था, लेकिन मौसम साफ नहीं होने से ऐसा नहीं हुआ। आसमान में छापे काले बादलों के कारण सूर्यकिरण विमानों ने उड़ान नहीं भरी। मौसम साफ होने पर सूर्यकिरण विमानों ने उड़ान भरी और आसमान में तिरंगा बनाया। तब तक रिहर्सल पूरी हो चुकी थी। रिहर्सल के बाद रूटीन प्रैक्टिस के दौरान सूर्यकिरण विमानों ने उड़ान भरी थी।

बंगाल गवर्नर बोले- अपराजिता बिल ममता के कारण अटका

राज्य सरकार ने बिल के साथ टेक्निकल रिपोर्ट नहीं भेजी, मंजूरी देने में देरी होगी

संजीवनी टुडे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने कहा है कि अपराजिता बिल ममता सरकार के कारण पेंडिंग है। उसने बिल के साथ टेक्निकल रिपोर्ट नहीं भेजी है। इसके बिना बिल को मंजूरी नहीं दी जा सकती। राजभवन की ओर से गुरुवार 5 सितंबर को जारी बयान में बताया गया कि ममता सरकार के इस रवैये से गवर्नर बोस नाराज हैं। महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े इस महत्वपूर्ण बिल को लेकर ममता सरकार ने कोई होमवर्क नहीं किया। राज्य सरकार पहले भी ऐसा करती रही है। विधानसभा से पास हुए कई बिल की टेक्निकल रिपोर्ट राजभवन नहीं भेजी जाती है। इससे बिल पेंडिंग हो जाते हैं, जिसका इल्जाम ममता सरकार राजभवन पर लगाती है। दरअसल, 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के बाद राज्य सरकार पर महिला सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे थे। ममता सरकार ने 3 सितंबर को पश्चिम बंगाल विधानसभा में एंटी-रेप बिल पेश किया था। इसके तहत पुलिस को रेप केस की 21 दिन में जांच पूरी करनी होगी। विधानसभा से पास होने के बाद बिल को राज्यपाल के पास भेजा गया है। यहां से पास होने के बाद बिल राष्ट्रपति को भेजा जाएगा, जहां से मुहर लगाने के बाद यह कानून में बदल



सकेगा। गवर्नर बोले- अपराजिता बिल आंध्र-महाराष्ट्र के बिल का कॉपी पेस्ट गवर्नर ने अपराजिता बिल को आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश के बिल का कॉपी-पेस्ट बताया। गवर्नर के मुताबिक, इस तरह के बिल प्रेसिडेंट के पास पहले से पेंडिंग हैं। ममता सरकार सिर्फ राज्य के लोगों को धोखा देने के लिए धरना-प्रदर्शनों में भाग ले रही है, क्योंकि उन्हें भी पता है कि ऐसे बिल राष्ट्रपति के पास पेंडिंग पड़े हैं। बोस ने गुरुवार को रेप-मर्डर केस को लेकर कहा- गलत काम करने वालों के खिलाफ एफआइआर होनी चाहिए। उन्हें सजा मिलनी चाहिए। आज बंगाल में कानून तो है, लेकिन उसका ठीक से पालन नहीं हो रहा है। कुछ लोगों को कानून के तहत सुरक्षा प्रदान की जा रही है। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर मामले को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन का गवर्नर बोस समर्थन कर रहे हैं।

बिल का नाम क्या है और इसका मकसद ?

बंगाल सरकार ने बिल को अपराजिता वुमन एंड चाइल्ड बिल 2024 नाम दिया है। इसका मकसद वेस्ट बंगाल क्रिमिनल लॉ एंड अफेयर्स बिल में बदलाव कर रेप और यौन शोषण के मामलों में महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा बढ़ाना है। पुलिस का एक हिस्सा प्रह है, जबकि एक हिस्से का अपराधीकरण हो चुका है और एक हिस्से का राजनीतिकरण हो चुका है। पीडित के माता-पिता ने मुझे कुछ ऐसी बातें बताई हैं, जो दिल दहलाने वाली हैं। वो इस मामले में न्याय चाहते हैं। पूरा बंगाली समाज न्याय चाहता है। न्याय होना चाहिए। बंगाल सरकार का रुख बंद से बदलते जा रहा है। यह वही जगह है, जहां लोगों ने बंद-चढ़कर सामाजिक आंदोलनों में हिस्सा लिया है। मुझे यकीन है कि लोगों की आवाज भावना की आवाज है। लोग कार्रवाई चाहते हैं, सजा मिलनी चाहिए। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर मामले को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन का गवर्नर बोस समर्थन कर रहे हैं।

मणिपुर के पूर्व सीएम के घर पर रॉकेट से हमला

1 की मौत, 5 घायल, बिष्णुपुर जिले में एक दिन में कुकी उग्रवादियों ने दूसरा हमला किया

संजीवनी टुडे

इंफाल। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री मैरिबम कोइरेंग के घर पर शुक्रवार को दोपहर 3 बजे कुकी उग्रवादियों ने रॉकेट बम से हमला किया। इस हमले में 1 एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। कांग्रेस नेता मैरिबम कोइरेंग राज्य के पहले मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वे 1963 से 1967, 1967 में 200 दिन और 1968 में 3 बार मणिपुर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उनका निधन 27 दिसंबर 1994 को हो चुका है। पुलिस के मुताबिक, कुकी उग्रवादियों ने पहाड़ी के 4 किलोमीटर की दूरी से मोइरांग में रॉकेट बम से हमला किया। हमले के दौरान जिस बुजुर्ग की जान गई, वो धार्मिक कार्यक्रम की तैयारी कर रहे थे। शुक्रवार सुबह ही बिष्णुपुर जिले में स्थित मोइरांग से 4 किमी दूर टोंगलाओबी इलाके में रॉकेट बम से हमला हुआ था। इन्होंने 2 इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। मोइरांग में पहली बार बंदूक-बम से हमला हुआ है। 1 से 3 सितंबर के बीच दो ड्रोन हमले हुए, 1 की मौत मणिपुर में पिछले साल मार्च में शुरू हुई हिंसा के बाद पहली बार ड्रोन हमला भी हुआ। 3 सितंबर को इंफाल जिले के सेजम चिरांग गांव में उग्रवादियों ने ड्रोन अटैक किया था।



ड्रोन वॉरफेयर के लिए म्यांमार से टेक्निकल सपोर्ट और ट्रेनिंग मिल रही

जिसमें एक महिला समेत 3 लोग घायल हुए थे। 1 सितंबर को कुकी गांव में भी ड्रोन से हमला किया गया था, जिसमें 2 लोगों की मौत और 9 घायल हुए थे। ऐसी आशंका है कि कुकी उग्रवादियों को ड्रोन वॉरफेयर के लिए म्यांमार से टेक्निकल सपोर्ट और ट्रेनिंग मिल रही है। मणिपुर सरकार ने इन ड्रोन अटैक की जांच करने के लिए हाईलेवल कमेटी का गठन किया है। मणिपुर में पहली बार एंटी ड्रोन मशीन गन का इस्तेमाल होगा, केंद्र ने मंजूरी दी केंद्र सरकार ने पहली बार मणिपुर में एंटी ड्रोन मॉडियम मशीन गन के इस्तेमाल की मंजूरी दी है। यह फैसला 1-3 सितंबर के बीच राज्य में दो ड्रोन हमलों के बाद लिया गया है। राज्य में मार्च 2023 से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा चल रही है। सिंह ने ये भी कहा कि हमारे पास इन्हें रोकने के कुछ उपाय हैं, जिन्हें हम लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा जिन पहाड़ी इलाकों में हमले हुए हैं, वहां हमारे अभियान जारी हैं। मामले में हमें केंद्र भी पूरा समर्थन मिल रहा है। केंद्रीय बलों की करीब 198 कंपनियां यहां मौजूद हैं। ड्रोन हमले के बाद गांव के सभी 17 परिवार भागे इंफाल वेस्ट जिले के कौनुक गांव में ड्रोन अटैक के बाद दहशत है। यहां के सभी 17 परिवार गांव छोड़कर भाग गए हैं।

एससी बोला- क्या केजरीवाल जेल से साइन नहीं कर सकते

केजरीवाल पर ऐसा कोई प्रतिबंध है, दोषी की याचिका- साइन न होने से सजा माफ नहीं हो रही

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (6 सितंबर) को एक मामले में दोषी करार होने के बाद सजा काट रहे व्यक्ति की दायर याचिका पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि दिल्ली सरकार उसकी सजा माफ करने में देरी लगा रही है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच को दिल्ली सरकार ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल जेल में हैं। ऐसे में उनकी गैरमौजूदगी के चलते सजा माफ वाली फाइलों पर उनके साइन नहीं हो पा रहे हैं। इस पर बेंच ने दिल्ली सरकार से पूछा कि क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल से अपने कर्तव्यों का पालन करने से रोकने के लिए कोई प्रतिबंध आदेश है? बेंच ने कहा हम इसकी जांच करना चाहते हैं क्योंकि इससे सैकड़ों मामले प्रभावित होंगे। अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में वकन 21 मार्च और भ्रष्टाचार के मामले में एउकरने में 26 जून को गिरफ्तार किया था। 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अंतरिम जमानत दी है, लेकिन भ्रष्टाचार मामले में वे जेल में हैं।

जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था

शराब नीति केस- केजरीवाल की जमानत पर फैसला सुरक्षित दिल्ली शराब नीति केस में 5 सितंबर को अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले केजरीवाल और एउकर का पक्ष सुना था। अदालत में वकील ने कहा कि केजरीवाल को इसलिए गिरफ्तार किया गया, ताकि वे जेल से बाहर ना आ सकें जबकि जमानत नियम और जेल अपवाद है। मनीष सिसोदिया को जमानत देते वकत कोर्ट ने यही कहा था। एउकरने दलील दी कि केजरीवाल को जमानत के लिए पहले ट्रायल कोर्ट जाना चाहिए, सीधे सुप्रीम कोर्ट नहीं आना चाहिए। अगर उन्हें जमानत मिली तो हाईकोर्ट को निराशा होगी। एएसजी बोली- निर्देश लेकर कोर्ट को बताऊंगी बेंच ने पूछा- सीएम केजरीवाल से जुड़े कोर्ट के पारित कई आदेशों के चलते बहुत सारी फाइलें होंगी। क्या मुख्यमंत्री को इन महत्वपूर्ण फाइलों पर साइन करने पर कोई प्रतिबंध है? इस सवाल पर एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि वे इस मुद्दे पर निर्देश लेंगी। इसके बाद कोर्ट को बताएंगी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले के आदेश में दिल्ली सरकार को 2 महीने के अंदर दोषियों की सजा माफ करने के सवाल पर फैसला लेने का निर्देश दिया था। हालांकि, जुलाई में समय सीमा एक महीने के लिए बढ़ा दी गई थी। एक्सपर्ट बोले- जेल से सरकार चलाना व्यवहारिक रूप से असंभव लॉ एक्सपर्ट के मुताबिक, संविधान या कानून में जेल में बंद मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने पर कोई रोक नहीं है। लेकिन जेल से सरकार चलाना व्यावहारिक रूप से असंभव है।



टिकट कटने से नाराज पूर्व मंत्री कंबोज को दिल्ली बुलाया

एक दिन पहले सीएम मनाने पहुंचे थे, नहीं मिलाया हाथ, नमस्ते कट बढ़ गए आगे

संजीवनी टुडे

करनाल। हरियाणा में टिकट न मिलने से नाराज पूर्व मंत्री कर्णदेव कंबोज को प्रदेश प्रभारी बिबल देव ने दिल्ली बुलाया है। कंबोज करनाल से दिल्ली रवाना हो गए हैं। इससे पहले गुरुवार को सीएम नाथब सैनी उन्हें मनाने के लिए यमुनानगर के रावैर पहुंचे थे। इस दौरान सीएम नाथब सिंह सैनी ने जैसे ही हैंडशेक के लिए हाथ आगे बढ़ाया तो कंबोज हाथ जोड़कर आगे बढ़ गए। इसके बाद सीएम ने उनकी कलाई पकड़ी और पीठ पर सांत्वना वाला हाथ रख दिया। सीएम सैनी की कंबोज और उनके समर्थकों के साथ करीब डेढ़ घंटे तक मीटिंग हुई। जिसमें कंबोज समाज ने कर्ण देव के लिए टिकट की मांग की। समाज ने कहा कि कर्णदेव कंबोज को टिकट दिया जाए। चाहे वह रावैर से हो या फिर इंद्री से। शुक्रवार को कर्णदेव ने करनाल की कंबोज धर्मशाला में समाज के लोगों के साथ बैठक की। जिसमें उन्होंने समर्थन मांगा। कंबोज समाज ने भाजपा को 2 दिन का अल्टीमेटम दिया है, अगर टिकट नहीं दिया 8 सितंबर को कंबोज कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। गुरुवार सुबह सभी पदों से इस्तीफा देने के बाद कर्णदेव कंबोज ने कहा कि पार्टी में सच्ची नीयत से सेवा करने वालों को नहीं बल्कि गद्दरों को तवज्जो दी जाती है। ओबीसी समाज की अनदेखी की गई। कंबोज ने कहा कि 2019 में मैं इंद्री से तैयारी कर रहा था, लेकिन आखिर समय पर टिकट रावैर से दे दिया गया। ऐसी क्या वजह थी कि 2019 में श्याम सिंह राणा का टिकट काटना पड़ा और ऐसी क्या मजबूरी आ गई कि इतनी गद्दारी करने के बावजूद भी इस बार श्याम सिंह राणा को टिकट देना पड़ा था। अगर संतोषजनक जवाब हुआ तो मैं पार्टी के साथ खड़ा होकर काम करूंगा। जिसने पार्टी के साथ गद्दारी की और पार्टी के उम्मीदवार को हरया, वह 5 साल हमें गालियां देता रहा, पीएम को भी नहीं बख्शा, लोकसभा चुनावों में उसको थोड़े से वोट आए और वह दोबारा भाजपा में शामिल हो गया।

जम्मू-कश्मीर चुनाव, बीजेपी का घोषणा पत्र जारी

5 लाख रोजगार, हर साल 2 फ्री सिलेंडर देने का वादा, शाह बोले- 370 की वापसी कभी नहीं होगी

संजीवनी टुडे

श्रीनगर। भाजपा ने शुक्रवार, 6 सितंबर को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि काले छात्रों को हर साल 3 हजार रुपए यातायात भत्ता दिया जाएगा। 10वीं क्लास में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को टेबलेट और लैपटॉप मिलेगा। उन्होंने कहा, '5 लाख रोजगार दिए जाएंगे। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 फ्री एलपीजी सिलेंडर दिया जाएगा। अटल आवास योजना के जरिए भूमिहीन लोगों को 5 मरला (एक बीघा) जमीन मुफ्त दी जाएगी।' जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की 90 सीटें हैं, जिनमें से 47 घाटी में और 43 जम्मू संभाग में हैं। प्रदेश में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन फेज में चुनाव होने हैं। नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे। गृह मंत्री ने कहा- 370 की वापसी कभी नहीं होगी शाह ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर भारत का है, था और रहेगा। 10 साल में राज्य का विकास हुआ है और रहा है। आज धारा 370 और 35 बाते और की बात बन गई है। अब ये हमारे संविधान का हिस्सा नहीं है।

सविदा, दैनिक वेंतनभोगी कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त राहत



एडहॉक, सविदा, दैनिक वेंतनभोगी कर्मचारियों के लिए नई नीति लाई जा सकती है। आंगनवाड़ी, आशा, एनएचएम, रहबर-ए-खेल कर्मचारियों, सामुदायिक सूचना केंद्र संचालकों, होम गार्ड और राष्ट्रीय युवा कोर जैसे कम्युनिटी वर्कर्स को अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। ये सब पीएम नरेंद्र मोदी के ताकतवर फैसले से हुआ। धारा 370 इतिहास बन गई है। हम इसे कभी आने नहीं देंगे। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 फ्री एलपीजी सिलेंडर। मां सम्मान योजना के जरिए हर एक परिवार को सबसे सौनियर महिला को 18 हजार रुपए सालाना की आर्थिक सहायता। महिला सेल्फ-हेल्प ग्रुप का लोन माफ की घोषणा। श्रीनगर की डल झील को वर्ल्ड क्लास टूरिस्ट बनाया जाएगा। श्रीनगर के टैटू ग्राउंड में एम्यूजमेंट पार्क बनाया जाएगा। डोडा, किरतवाड़, रामवन, राजौरी, पुंछ, उधमपुर और कटुआ के ऊपरी परिया टूरिस्ट इंडस्ट्री के तौर पर अपडेट होंगे।

खबरें फटाफट

बाबा रामदेव जयंती
हर्षोल्लास के साथ मनाई

संजीवनी टुडे

जयपुर। सीतापुरा स्थित शांति विहार विकास समिति के सदस्यों एवम कॉलोनी वासियों ने बाबा रामदेव जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई। कार्यक्रम के तहत रात्रि जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया व उपस्थित लोगों व कॉलोनी वासियों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में कस्तूर चंद टाटावत, (अध्यक्ष), रामेश्वर बैरवा (सचिव), हीरालाल बैरवा (कोषाध्यक्ष), मांगीलाल बैरवा, धर्मराज बैरवा, प्रमोद बैरवा, उत्तम बैरवा, डॉ. सूरज कुमार बैरवा, अमोलक बैरवा, बलराम बैरवा सहित समस्त कॉलोनी वासियों ने सहयोग किया व सफल आयोजन किया गया।

गणेश चतुर्थी पर गणेश मंदिर में चल रही विशेष तैयारियां

जयपुर। गणेश चतुर्थी पर गणेश मंदिर में चल रही विशेष तैयारियां। गणेश चतुर्थी पर गणेश मंदिर में चल रही विशेष तैयारियां। गणेश चतुर्थी पर गणेश मंदिर में चल रही विशेष तैयारियां।

संजीवनी टुडे

चौमूं। राजा महाराजाओं के समय से बना करीब 400 वर्ष पुराना गणेश मंदिर प्राचीन गढ़ दरवाजा के ऊपर विराजमान है। आज गणेश चतुर्थी पर्व पर हजारों लोग अपने आराध्य देव भगवान गणेश के दर्शन कर अपने परिवार की सुख समृद्धि की मनोनाती मांगेंगे। इधर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर खुद दृष्ट प्रदीप शर्मा मंदिर परिसर पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजालिया। उन्होंने बताया कि करीब 100 से भी अधिक पुलिस जवानों का जाता यहां तैनात रहेगा। इधर मंदिर के पुजारी बालकृष्णन ने बताया कि यहां सुबह से ही भक्तों के आने का सिलसिला चालू हो जाएगा। यहां एक तरफ महिला व दूसरी तरफ पुरुषों की कतार लगाई गई है, जिसे श्रद्धालुओं को परेशानी ना हो। वहीं मंदिर की विशेष सजावट, लाइट डेकोरेशन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

रैपिड एक्शन फोर्स ने चौमूं में निकाला फ्लैग मार्च

जयपुर। शांति व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रैपिड एक्शन फोर्स एक्शन मोड में है। लगातार जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में रैपिड एक्शन फोर्स फ्लैग मार्च निकाल रही है। चौमूं शहर में हथियारों से लैस आरएफ के जवानों ने अति संवेदनशील व संवेदनशील इलाकों में जहां जोगियों का मोहल्ला, पठानों का मोहल्ला, लक्ष्मीनाथ जी का चौक, चौपड़, रावणगेट, धोली मंडी में रैपिड एक्शन फोर्स के अतिरिक्त कमांडेंट अक्षय कुमार ने अपने 83 आरएफ जवानों के साथ फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान चौमूं थानाधिकारी प्रदीप शर्मा भी मौजूद रहे। आरएफ अतिरिक्त कमांडेंट अक्षय कुमार ने बताया कि दंगों की स्थिति से निपटने, त्योहारों को देखते हुए, क्षेत्र के रास्तों का अखलोकन करने एवं आमजन में पुलिस के प्रति अच्छा मैसेज देने के लिए फ्लैग मार्च निकाला गया।

मोहर सिंह सलावद बने अजजा, जजा व पिछड़ी महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता

संजीवनी टुडे

अलवर। प्रदेश अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ी जाति अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संगठन के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर मीणा ने शिक्षक संघ रैसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद को प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। सलावद के अलवर। प्रदेश अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ी जाति अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संगठन के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर मीणा ने शिक्षक संघ रैसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद को प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। सलावद के

राजकीय देवनारायण बालिका आवासीय विद्यालय टहला में प्रवेश हेतु 30 सितम्बर तक करें आवेदन

संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)राजकुमार गुप्ता। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग उप निदेशक अनिल मन्थने ने बताया कि विभाग के नियंत्रणाधीन राईस द्वारा जिले में संचालित राजकीय देवनारायण बालिका आवासीय विद्यालय टहला (राजगढ़) में कक्षा 6 से 12 तक में छात्राओं के प्रवेश हेतु आवेदन हेतु 30 सितम्बर 2024 तक किए जा सकते हैं। इच्छुक विद्यार्थी एस.एस.ओ. आई. डी के माध्यम से विभाग के पोर्टल/ई-मित्र के माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों के साथ अर्शन हेतु आवेदन करके प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए टहला स्थित आवासीय विद्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना: मुख्यमंत्री का संवेदनशील निर्णय

संजीवनी टुडे

अब दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम सन्तान पर मिलेंगे 10 हजार की सहायता राशि

अलवर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अभिनव पहल करते हुए बजट में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना (पीएमएमवीवाई) के अन्तर्गत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम सन्तान के लिए वर्तमान में दी जा रही राशि 6500 रुपये को 01 सितंबर से बढ़ाकर 10 हजार रुपये करने का सारहानीय कदम उठाया है। इस राशि को राज्य निधि से 100 प्रतिशत डीबीटी के माध्यम से दिए जाने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। भारत में अधिकांश महिलाओं को आज भी अल्पपोषण प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है। अल्पपोषित माता अधिकांशतः कम वजन वाले शिशुओं को ही जन्म देती है। आर्थिक एवं सामाजिक तंगी के कारण कई महिलाएं



अपनी गर्भावस्था के आखिरी दिनों तक अपने परिवार के लिए जीविका अर्जित करना जारी रखती है। इसके अलावा, वे बच्चे को जन्म देने के बाद समय से पहले काम करना शुरू कर देती है, जबकि उनका शरीर इसके लिए तैयार नहीं होता। इस प्रकार वे एक तरफ अपने शरीर को पूरी तरह स्वस्थ होने से रोकती हैं और पहले छह माह

में अपने नौनिहालों को स्तनपान कराने की अपनी सामर्थ्य में भी बाधा पहुंचाती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिलाओं की पीड़ा को समझते हुए मातृ शक्ति राष्ट्र शक्ति ध्येय वाक्य को साकार करने के संकल्प के साथ उनके स्वास्थ्य एवं आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए 01 सितंबर से राशि को बढ़ाकर 10 हजार रुपये करने का एतिहासिक फैसला लिया है।

ऐसे मिलेगी राशि

राज्य सरकार ने परिवर्तित बजट वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना (पीएमएमवीवाई) के अन्तर्गत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम सन्तान के लिए वर्तमान में दी जा रही राशि 6500 रुपये को 01 सितंबर से बढ़ाकर 10 हजार रुपये करने का फैसला लिया है। बढ़ी हुई राशि 3500 रुपये तीन किशतों में 100 प्रतिशत राज्य निधि से डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रथम किशत का भुगतान आंगनवाड़ी केन्द्र पर पंजीकरण एवं कम से कम एक प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच पर पूर्व में

3000 रुपये दिये जाते थे। जिसे बढ़ाकर 4000 रुपये कर दिया गया है। बच्चे के जन्म पर पूर्व में मिलने वाले 1500 रुपये की द्वितीय किशत को बढ़ाकर 3000 रुपये कर दिया गया है।

बच्चे के जन्म का पंजीकरण एवं प्रथम चरण के सम्पूर्ण टीकाकरण पर चौदह सप्ताह की आयु तक के सभी टीके पूर्ण करवाने पर मिलने वाली तीसरी किशत 2000 रुपये को बढ़ाकर 3000 रुपये कर दिया है। उन्होंने बताया कि उक्त बढ़ी हुई राशि का भुगतान राज्य सरकार द्वारा डीबीटी के माध्यम से किया जायेगा। बढ़ी हुई राशि 3500 रुपये ऐसी महिलाएं जो आंशिक रूप से (40 प्रतिशत) अथवा पूरी तरह से अक्षम हैं (दिव्यांग जन) का प्रमाण पत्र के आधार पर दी जाएगी। 01 सितंबर अथवा इसके बाद दिव्यांग गर्भवती महिला उपरोक्त जिस किशत के लिए वह पात्र होगी, उसको बढ़ी हुई राशि का लाभ डीबीटी के माध्यम से दिया जायेगा। अतिरिक्त बढ़ी हुई राशि का भुगतान 100 प्रतिशत राज्य निधि से डीबीटी के माध्यम से किया जायेगा।

सशस्त्र सीमा बल रिफ्रूट प्रशिक्षण केंद्र का दीक्षांत परेड समारोह हुआ आयोजित



संजीवनी टुडे

अलवर। सशस्त्र बल के महानिरीक्षक डॉ. परेश सक्सेना के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार को सशस्त्र सीमा बल रिफ्रूट प्रशिक्षण केंद्र के आरक्षी (सामान्य) द्वितीय बैच बी.आर.टी.सी. (क्रोड) का दीक्षांत परेड समारोह आयोजित हुआ। महानिरीक्षक परेश सक्सेना एवं उप महानिरीक्षक वंदन सक्सेना ने सभी नव आरक्षियों को बधाई दी तथा देश सेवा में सच्ची लगन व ईमानदारी से कर्तव्य निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। दीक्षांत समारोह में नव आरक्षियों को कर्तव्यपरायणता, निष्ठा एवं पूर्ण समर्पण से राष्ट्र सेवा के लिए

भारत के संविधान की शपथ दिलाई गई। 16 सप्ताह के सघन बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त कर पूर्ण सैनिक के तौर पर तैयार हो चुके 113 नव आरक्षियों ने राष्ट्र सेवा के लिए पहला कदम रखा। ये नव आरक्षी कुशल सैनिक के तौर पर देश को उत्तम सेवा प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में नव आरक्षियों द्वारा परेड का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नव आरक्षियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मान किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों आयोजित हुए तथा जवानों द्वारा हैरतअंगेज करतब दिखाए गए।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित

संजीवनी टुडे

सलूबर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सलूबर डॉ. जे.पी. बुनकर द्वारा बैठक में सदस्यों का स्वागत करते हुये पूर्व माह में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक महत्वपूर्ण बिन्दुओं की



पालना के बारे में अवगत कराया एवं इस माह में मलेरिया एवं मौसमी बीमारियों डेंगु, मलेरिया एवं स्क्रब टायफस के केस पर विस्तृत चर्चा करते हुये एंटी लार्वल कंट्रोलिंग तथा फोगिंग कराने के लिए संबंधित सेक्टर प्रभारी को निर्देशित किया गया तथा परिवार कल्याण सेवार्थे जैसे प्रसव का 90 प्रतिशत पीपीआईयूसीडी लगाने एवं नसबंदी केसेज को 2 प्रसव पर कराने के लिए निर्देशित किया गया। इसके साथ ही निम्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई। 1 आयुष्मान कार्ड एवं आभा आई वितरण आयुष्मान कार्ड वितरण करने एवं आभा आईडी बनाने

हेतु एएनएम, आशा एवं सीएओ को पाबन्द करते हुए चिकित्सा अधिकारी प्रभारी को निर्देशित किया गया कि उक्त कार्य की प्रभावो मोनिटरिंग करते हुए शत प्रतिशत उपलब्धि इसी माह में अर्जित करें। सिकल सेल एनिमिया की जांच कर शत प्रतिशत ऑनलाईन पर चर्चा की गई। एनीमिया मुक्त राजस्थान के तहत जिले में चलायी जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत समस्त आंगनवाड़ी केन्द्र व समस्त विद्यालयों में छात्र छात्राओं की एनीमिया स्क्रीनिंग व हिमोग्लोबिन टेस्टिंग का कार्य 25 सितम्बर 2024 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। जिला प्रजनन एवं शिशु

स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिन्दु कुमावत द्वारा आरसीएच कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें डॉ. अक्षय व्यास वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डबलएचओ उदयपुर ने टीकाकरण की जानकारी देते हुये गेप को कम कर शत-प्रतिशत टीकाकरण हेतु निर्देशित किया एएनसी का समय पर रजिस्ट्रेशन कर पूर्ण जांच करावे जिससे गर्भवती महिलाओं को समय पर ईलाज उपलब्ध हो सके, मिसिंग डिलीवरी का गेप करने, शुभलक्ष्मी योजना की तृतीय किशत, राजश्री योजना, जननी शिशु सुरक्षा योजना के तहत मिलने वाला भुगतान समय पर करें।

खोड़ेश्वर महादेव में अभिषेक कर मनाया वार्षिकोत्सव मेला



संजीवनी टुडे

जसवंतपुरा। जिले के ऐतिहासिक तीर्थधाम सुंधामाता पर्वत पर पहाड़ी क्षेत्र में स्थित खोड़ेश्वर महादेव धवावाला का ऐतिहासिक एवं पौराणिक मंदिर स्थित है। यह मंदिर सैकड़ों साल पुराना है। यहां पर श्रावण मास पूरा होने के बाद श्री चामुंडा माता ट्रस्ट स्टाफ एवं दुकानदार पर्वत एवं दुकानदार तलेटी, धर्मशाला स्टाफ की और से बड़े हर्षोल्लास के साथ वार्षिकोत्सव मेला मनाया गया। पवित्र दिनेश देव कार्लु ने बताया की सुंधामाता मंदिर में स्थित भुर-भूश्वर महादेव मंदिर में सवा महीने तक श्रावण मास तक पूजा-अर्चना की जाती है। उसके बाद पहाड़ी क्षेत्र में स्थित खोड़ेश्वर महादेव मंदिर में ट्रस्ट स्टाफ, दुकानदार पर्वत एवं तलेटी के द्वारा मंदिर में हर साल की भांति इस साल भी स्नेह मिलन एवं वार्षिकोत्सव मेला मनाया गया। इस दौरान चामुंडा माता ट्रस्ट के सदस्य दैलतसिंह देवल डोरडा ने मंदिर में अभिषेक कर खुशहाली की कामना की गई। मंदिर में पुजारियों की और से जलाभिषेक, पुष्पाभिषेक, विजयाभिषेक सहित पूजा-अर्चना की गई। इस रहे उपस्थित-चामुंडा माता ट्रस्ट के सदस्य दैलतसिंह देवल डोरडा, व्यवस्थापक जितेंद्रसिंह, महंत ललितगिरी महाजन, धीरज दवे, यशपालसिंह, देवेंद्रसिंह, गोपालसिंह मालवाडा, हड़मतसिंह, अर्जुनसिंह सोलंकी, ईश्वरसिंह देवड़ा, कर्णसिंह, वचनगिरी, तेजाभारती, भंवरसिंह राजपुरा, नीलमसिंह, कान्तिनाथ, बिजलाराम देवासी, मोहनलाल सेन, गोपालनाथ, भेरनाथ, रमेश सेन, सोमभारती, पुखराज नागर, अमृत गिरी, चेतन गिरी, महेंद्रसिंह राव, खंगाराम, पुनमराम, किरण राणा, महेंद्र सोनी, विरमराम सहित कई लोग उपस्थित रहे।

खाटू श्याम प्रेमी प्रत्येक माह निशुल्क कराते हैं खाटू श्याम जी के दर्शन, श्रद्धालु उत्साह और उमंग के साथ करते हैं धार्मिक यात्रा

संजीवनी टुडे

अलवर। राजा महाराजाओं और ऋषि मुनियों की तपोस्थली के नाम से जाने जाने वाले अलवर में यूं तो कई धार्मिक स्थल हैं जहां से देश नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग पहुंचकर मन्त्र मांगते हैं लेकिन सीकर के श्री खाटू श्याम दरबार की अपनी अलग पहचान है जिसके कारण बड़ी संख्या में मेले ही नहीं बल्कि आम दिनों में भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी अरदास पूरी करते हैं। श्याम भक्ति की ऐसी दीवानगी को दो दर्जन से अधिक युवाओं की एक टीम ने अलवर वासियों को श्री खाटू नरेश के निशुल्क दर्शन कराने की ना केवल मन में ठानी बल्कि इसे पूरा भी कर दिखाया। निशुल्क यात्रा के संयोजक महेश गोयल, आशीष अग्रवाल, मुनीराम यादव, मनीष गुप्ता और अजय मेठी ने बताया कि श्री श्याम दर्शन सेवा समिति निशुल्क बस यात्रा के माध्यम से प्रत्येक माह के पहले रविवार को 50 वर्ष से अधिक आयु के महिला पुरुषों को अलवर से खाटू श्याम दर्शन यात्रा निशुल्क कराई जाती है। सदस्यों ने बताया कि निशुल्क यात्रा के लिए बस श्री खाटू श्याम मंदिर शिवाजी पार्क से रवाना होती है, निशुल्क यात्रा के लिए 9414292354 - 6375040064 हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है।

राजकीय आईटीआई माण्डल जिला भीलवाड़ा में ऑफलाईन प्रवेश प्रारंभ

संजीवनी टुडे

मांडल (भीलवाड़ा)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान माण्डल में संस्थान स्तर पर प्रवेश के लिए 05 सितम्बर 2024 से आवेदन किए जा रहे हैं। आईटीआई माण्डल के अधीक्षक बुध्दी प्रकाश जीनगर ने बताया है कि संस्थान में प्रवेश सत्र 2024-25/26 रिक्त रही सीटों पर एससीवीटी योजना के तहत इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वायरमैन व्यवसाय (वायरिंग संबंधित कार्य) कोर्स की अवधि 2 वर्ष एवं कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट) कोर्स की अवधि 01 वर्ष में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आईटीआई में महिलाओं के लिए प्रशिक्षण निःशुल्क रहेगा। अभ्यर्थी द्वारा राजस्थान सरकार के एसएसओ पोर्टल या ईमित्र कियोस्क के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन फॉर्म भरे जा सकेंगे। प्रवेश के लिए योग्यता इलेक्ट्रिशियन, कोपा, और फिटर व्यवसाय के लिए 10वीं पास और वायरमैन व्यवसाय के लिए 8वीं पास है। ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 26 सितम्बर 2024 है। आवेदन पत्र 27 सितम्बर 2024 को सायं 5 बजे तक दस्तावेजों सहित कार्यालय में उपस्थित होकर जमा कराने होंगे। 30 सितम्बर 2024 को प्रातः 11 बजे से मेरिट के आधार पर प्रवेश किए जायेंगे।

एडिप योजना विशेष योग्यजन एक दिवसीय परीक्षण शिविर सलूबर मे 8 को

संजीवनी टुडे

सलूबर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सलूबर द्वारा जिले के विशेष योग्यजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से एडिप योजना के तहत एक दिवसीय परीक्षण शिविर सलूबर पंचायत समिति में आयोजित किया जाएगा। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने आदेश जारी कर बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा विशेष योग्यजन एडिप योजना का लाभ लेने के लिये विशेष योग्यजन जो शिविर में पंजीयन से वंचित रह गए हैं उन्हें 8 सितंबर को सलूबर पंचायत समिति में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाएगा और जिनको शारीरिक अक्षमता की पूर्ति के लिये उपकरण की आवश्यकता है तथा जिन्हें पिछले तीन साल तक किसी भी प्रकार के उपकरण का लाभ विभाग द्वारा नहीं मिला है, वे सभी विशेष योग्यजन 8 सितंबर को सलूबर पंचायत समिति में लगने वाले शिविर में अपना परीक्षण करा कर पंजीयन करा सकेंगे। दिव्यांगजनों को पंजीकरण के लिये आवश्यक दस्तावेज सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के हेमन्त खटीक ने बताया कि दिव्यांगजन पंजीकरण के लिये भारतीय नागरिक होना

आवश्यक है। पहचान प्रमाण पत्र 5 आधार कार्ड 3 दिव्यांग प्रमाण पत्र 3यूडीआईडी कार्ड/ यूडीआईडी पंजीकरण संख्या। आय प्रमाण पत्र 3यूडीआईडी से मासिक आय 22500 प्रति माह से कम हो वह राजस्व विभाग, एमपी, एमएलए, प्रधान द्वारा प्रदूत आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

लाभार्थी ने वर्षों के दौरान भारत सरकार/राज्य सरकार या अन्य सामाजिक योजना के अन्तर्गत किसी शोसकीय/अशासकीय/अन्य संस्था से कोई उपकरण प्राप्त न किया गया है। (मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल / स्मार्ट फोन को छोड़कर, जिसे 5 वर्षों के दौरान प्राप्त न किया हो) लाभार्थी अपने आधार सँख्या // मोबाइल सँख्या / नाम आदि में किसी एक द्वारा 'लाभान्वित लाभार्थी' टैब पर पूर्व में प्राप्त उपकरणों का विवरण देख कर चिनहोकर के लिए आये। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने बताया कि जिले के विशेष योग्यजन के लिए जिले में पहले बार विशेष योग्यजन को उपकरण वितरण के लिए शिविर द्वारा चिन्हित किया जा रहा है और उन्हें यात्रा अनुसार सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बटन दबाकर खोले बीसलपुर बांध के गेट



संजीवनी टुडे

टोंका। बीसलपुर बांध के कैचमेंट एरिया में वित्त दिनों में अच्छी बारिश होने के कारण निरंतर पानी की आवक होने से शुक्रवार को बांध की भरव क्षमता 315.50 आरएल मीटर पर पहुंचने के बाद सुबह 11 बजे बीसलपुर बांध के दो गेट खोलकर पानी की निकासी की गई। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना करने के पश्चात स्काडा सिस्टम के तहत कम्प्यूटराइज्ड तरीके से गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की। इस दौरान जिला कलेक्टर डॉ. सोम्या झा एवं पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सेनी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि बीसलपुर बांध पेयजल की दृष्टि से जयपुर, अजमेर एवं टोंक जिले के लोगों के लिए लाइफ लाइन है। बीसलपुर समेत जिले के सभी लघु,

वृहद एवं मध्यम बांध शत प्रतिशत भरने से लोगों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिल सकेगा। क्षेत्र में अच्छी फसल का उत्पादन होगा। इसके पश्चात श्री रावत ने बीसलपुर बांध का निरीक्षण कर बांध परियोजना के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलेक्टर डॉ. सोम्या झा ने आमजन से अपील की है कि वह नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाएं। बीसलपुर बांध के अधीक्षण अभियंता वीरेंद्र सागर ने बताया कि बीसलपुर बांध के गेट नंबर 9 व 10 को एक-एक मीटर खोलकर लगभग 12 हजार क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। यह निकासी बांध में पानी की आवक के अनुरूप ही की जा रही है। इसके बाद समय-समय पर पानी की आवक के आधार पर निकासी या गेट बंद करने का निर्णय लिया जाएगा।

वनतारा की गुहार: रोका जाए नमीबिया में जानवरों का वध, जानवरों के संरक्षण को तैयार है वनतारा



संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। अनंत अंबानी के नेतृत्व में बने 'वनतारा' ने नमीबिया सरकार से जानवरों के वध को रोकने का आग्रह किया है। दरअसल नमीबिया सूखे और अकाल से जूझ रहा है और इसी के चलते वहां की सरकार ने जानवरों को मारने का फैसला लिया है। भारत स्थित नमीबिया के दूतावास को लिखे पत्र में वनतारा ने जानवरों को संरक्षण देने का इरादा बताया है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि सूखे के कारण नमीबिया की लगभग 84 फीसदी खाद्य आपूर्ति समाप्त हो गई है। देश में उपजे खाद्य संकट से निपटने के लिए 700 से अधिक कृषि जाली जानवरों को मारने की तैयारी है। नमीबिया के पर्यावरण, वानिकी और पर्यटन मंत्रालय द्वारा घोषित लिस्ट के अनुसार, 83 हाथियों, 60 भैंसों, 30 दरियाई घोड़ों, 100 व्हाइल्डबोस्ट, 50 इम्लाना और 300 जेबरा को मारा जाना है। वनतारा ने जानवरों का वध रोकने के लिए नमीबिया सरकार और वहां के अन्य संगठनों के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जाहिर की है। वनतारा संस्थान को भरोसा है कि सब मिलकर इन जानवरों को एक नई जिंदगी दे पाएंगे। नमीबिया दूतावास की ओर से अभी कोई उत्तर नहीं मिला है, पर वनतारा को उम्मीद है कि वे जानवरों को बचा पाएंगे।

नन्हे-मुन्हे बच्चों ने कार्यशाला में 'मिट्टी के गणेश जी' बनाकर दिखाया उत्साह



संजीवनी टुडे

जयपुर। शहर के प्रताप नगर क्षेत्र में संचालित कीवी किड्स एकेडमी में गणेश प्रतिमा बनाने का कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें स्कूल के नन्हे-मुन्हे बच्चों ने बड़ी उत्सुकता के साथ भाग लिया। अध्यापिकाओं की मदद से बच्चों ने मिट्टी के गणेश जी की बेहद प्यारी प्रतिमाओं को निर्माण किया। बाल मनुहारों की इस कार्यशाला को जिसने भी देखा वो देखते रह गया। इस मौके पर विद्यालय संचालक राघवेंद्र शर्मा, मीनाक्षी चौहान, आंचल शर्मा समेत अन्य स्टाफ और विद्यालय के नन्हे-मुन्हे बच्चे मौजूद रहे। निदेशक राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि गणेश चतुर्थी के पावन पर्व प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी 'मिट्टी के गणेश' बनाने के लिए लोगों को जागरूक करना होगा। इसी कड़ी में उनके विद्यालय के बच्चों द्वारा आज मिट्टी के गणेश जी बनाकर समाज को एक छोटा सा संदेश दिया गया। शर्मा ने बताया कि गत कई वर्षों से देश में पीओपी से बने गणेश जी बनाने और विस्फोटन करने का चलन रहा है जो कि प्रकृति के लिए घातक है। दरअसल, पीओपी से बनी प्रतिमाएं जल में गलती नहीं हैं, वहीं मिट्टी के द्वारा बनी प्रतिमाओं को आसानी से पानी द्वारा धोला जाता है जो कि प्रकृति को क्षति नहीं पहुंचाता है। शर्मा ने बताया कि कार्यशाला में सभी बच्चों ने अपने हाथों से गणेश जी बनाए और उनकी स्थापना अपने घरों में करने का संकल्प लिया।

वन मंत्री संजय शर्मा की अगुवाई में किया सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर का स्वागत



संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर का दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे के पिनान स्थित डायवर्जन पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा अगुवाई में पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं फूलमाला पहनकर स्वागत किया गया। इस दौरान राज्यपाल माथुर ने रैस्ट एरिया में कदम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण को संदेश दिया। उन्होंने वन मंत्री संजय शर्मा द्वारा प्रतिदिन एक पौधा लगाने के संकल्प को स्मरण करते हुए कहा कि यह कार्य पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम होने के साथ आमजन के लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में सभी व्यक्तियों महती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि धरती को हराभरा करके ही शुद्ध वातावरण बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना नैतिक दायित्व समझते हुए पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इस दौरान विजय मीना, सुखवंत सिंह, सुरेश यादव, पं. जलेंसिंह, सुरेश मेहता, जितेंद्र राठी, दिनेश गुप्ता, नरेंद्र नरुका सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध व्यक्ति मौजूद रहे।

उप-प्राचार्य संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन



संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। शुक्रवार को उप प्राचार्य संघर्ष समिति राजस्थान के आह्वान पर ब्लॉक शाखा राजगढ़ ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप कर उच्च न्यायालय में शीघ्र सुनवाई करवाने, 2023-24 की लंबित प्रधानाचार्य डीपीसी करवाने तथा आरपीएससी सीधी भर्ती से चयनित 2015-16 की व्याख्याता से पदोन्नति उप प्राचार्य की काउंसिलिंग, पदस्थापन करवाने समेत अपनी मांगों को लेकर हेमैंद्र कुमार चंवलिया के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर सुनील यादव, शंकर लाल माली, अजीत कुमार मिश्रा, रोबिन कुमार, संतोष कुमार, सूर्य प्रकाश समेत अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

न्यायाधिपति योगेन्द्र कुमार पुरोहित के दौरे को लेकर प्रोटोकॉल के निर्देश

संजीवनी टुडे
डूंगरपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के न्यायाधिपति योगेन्द्र कुमार पुरोहित 13 सितम्बर को नाथद्वारा से बांसवाड़ा जा रहे हैं और 15 सितम्बर को बांसवाड़ा से वापस उदयपुर जाएंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश धाकड़ ने न्यायाधिपति योगेन्द्र कुमार पुरोहित के दौरे मद्देनजर उपखण्ड अधिकारी आसपुर, साबला अपने-अपने क्षेत्र में समन्वय स्थापित करते हुए न्यायाधिपति के आगमन से प्रस्थान तक प्रोटोकॉल का कार्य संपादित करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, जिला पुलिस अधीक्षक, डूंगरपुर नियमानुसार सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

एकीकृत नियंत्रण कक्ष के कार्मिकों का प्रशिक्षण 10 सितम्बर को

संजीवनी टुडे
डूंगरपुर। विधानसभा उप चुनाव-2024 विधानसभा क्षेत्र चौरासी के तहत गठित जिला स्तरीय एकीकृत नियंत्रण कक्ष के लिए अधिग्रहित किए गए कार्मिकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण 10 सितम्बर को प्रातः 11 बजे जिला कलक्टर कार्यालय के ईडीपी सभागार में आयोजित किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चन्द्र धाकड़ ने एकीकृत नियंत्रण कक्ष के समस्त कार्मिकों को निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

कृषक संवाद कार्यक्रम 11 सितम्बर को

संजीवनी टुडे
डूंगरपुर। राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष की अध्यक्षता में 11 सितम्बर को प्रातः 11 बजे राजमाता विजयाराजे सिंधिया ऑडिटोरियम डूंगरपुर में कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक परेश पण्ड्या ने बताया कि संवाद कार्यक्रम में जिले के कृषकों, पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों, मत्स्य पालकों, कृषि श्रमिकों, किसान संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं अन्य स्ट्रेक होल्डर्स को सम्मिलित करते हुए लगभग 200 व्यक्तियों द्वारा भाग लिया जाएगा तथा सभी से सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे।

विद्युत संबंधी समस्याओं के निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

संजीवनी टुडे
डूंगरपुर। विद्युत संबंधी समस्याओं के निवारण के लिए निगम स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 18001806565, एफआरटी हेल्पलाइन नंबर 1912 डूंगरपुर शहर के उपखण्ड के शिकायत निवारण के लिए डूंगरपुर शहर नियंत्रण कक्ष नंबर 02964-232420, सागवाड़ा शहर के उपखण्ड के शिकायत निवारण के लिए सागवाड़ा शहर नियंत्रण कक्ष नंबर 9460134183 तथा वृत्त स्तरीय नियंत्रण कक्ष नंबर 9413365729 पर सम्पर्क कर शिकायत निवारण करवा सकते हैं। यह जानकारी एवीवीएनएल के प्रावैधिक सहायक कमलेश्वर जैन ने दी।

राज किसान साथी पोर्टल पर 10 सितम्बर 2024 तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

संजीवनी टुडे
सल्लूर। आयुक्त उद्यानिकी जयसिंह ने बताया कि वर्ष 2024-25 में किसानों की क्षमता वृद्धि के लिए नॉलेज एनहांसमेंट प्रोग्राम अंतर्गत प्रथम चरण चरण में 100 प्रगतिशील युवा कृषकों को इन्टरनेट सहित अन्य देशों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जायेगा। विदेश प्रशिक्षण कार्यक्रम के चयन के लिए उपखण्डवार ऑनलाइन कुल लक्ष्यों में से 75 प्रतिशत कृषकों का चयन किया जाना है तथा शेष 25 प्रतिशत कृषकों का चयन राज्य सरकार स्तर से किया जायेगा। उन्होंने बताया कि किसानों की क्षमता वृद्धि के लिए नॉलेज एनहांसमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत प्रथम चरण चरण में 100 प्रगतिशील युवा कृषकों को इन्टरनेट सहित अन्य देशों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जायेगा। कृषक चयन के लिए व्यापक प्रचार प्रसार के माध्यम से राज किसान साथी पोर्टल पर 10 सितम्बर 2024 तक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किया जाना है। 100 कृषकों के चयन के लिए 10 कृषि संभागों में उच्च कृषि तकनीक की संभावनाओं के मद्देनजर संभाव्य लक्ष्य निर्धारित किये जाकर निम्न मापदंड के आधार पर चयन किया जा सकता है। कृषक चयन में अज्ञा, अजज्ञा व महिला कृषकों को भी प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाना उचित होगा। करीब 20 दुग्ध उत्पादकों पशुपालकों का चयन किया जाना उचित होगा। उन्होंने बताया कि कृषक के पास कम से कम एक हेक्टेयर कृषि भूमि का भूस्वामित्व हो, वित्त 10 वर्षों से लगातार अपनी कृषि भूमि पर खेती कर रहा हो, कृषक द्वारा उच्च कृषि तकनीक (संशोधित खेती, सुसज्जित सिंचाई, मलिनच, सौर ऊर्जा पंप ड्रोन फर्टिगेशन, ऑटोमेशन, फार्म पॉड, डिजिटली अपनार्ड जा रही हो। कृषक का चयन कृषि विभाग द्वारा जिला, राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु चयन किया गया हो। कृषक, पंचायती राज संस्था सहकारी संस्था वाटर यूजर एसोसिएशन, कृषि मंडी आदि में विगत 10 वर्षों में किसी पद पर रहा हो या कृषक का सदस्य हो। कृषक की उम्र 50 वर्ष से कम हो। कृषक के विरुद्ध पूर्व, वर्तमान में संशय अपराध के प्रकरण लंबित न हो। कम से कम माध्यमिक स्तर की शैक्षणिक योग्यता धारक हो। कृषक के पास वैध पासपोर्ट हो। कृषक वास्तविक रूप से कम से कम 20 गाय भैंस की डेपरी या 10 ऊंट या 50 भेड़, बकरी का स्वामित्व रखता हो।

लाइनमैन को पाबंद करने एवं अन्य संपर्क नंबर भी उपलब्ध कराने के निर्देश

संजीवनी टुडे

पगारा में जिला कलक्टर की रात्रि चौपाल आयोजित

डूंगरपुर। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने गुरुवार को पंचायत समिति डूंगरपुर की ग्राम पंचायत पगारा में रात्रि चौपाल में ग्राम वासियों की परिवेदनाओं को सुना तथा निस्तारण के निर्देश दिए। ग्राम वासियों ने मुख्य रूप से हेडपंस्ट लगवाने, गांव के मुख्य चौक पर हेलोजन लाइट लगवाने, एनीकट बनवाने, लाइनमैन को पाबंद करने तथा अतिरिक्त विद्युत पोल लगवाने जैसी परिवेदनाओं को प्रमुखता से रखा। इस पर जिला कलक्टर द्वारा संबंधित विभागाध्यक्ष को निस्तारण के लिए पाबंद किया। चौपाल के दौरान सरपंच मुकेश अहारी ने ग्राम पंचायत पगारा में जल जीवन मिशन के चल रहे कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करवाने का अनुरोध किया। जिला कलक्टर ने

एक-एक कर परिवारी को सुना तथा संबंधित अधिकारी से तथ्यात्मक जानकारी लेकर निस्तारण के दिशा-निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में सभी विभागों के अधिकारियों ने अपने विभाग में संचालित हो रही जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की तथा जागरूक रहकर इन योजना से स्वयं लाभान्वित होने तथा अन्य पात्र लोगों को भी लाभान्वित करने की बात कही। रात्रि चौपाल में ग्रामवासियों ने डूंगरी फला में विद्युत लाइन के पोल क्षतिग्रस्त होने से अतिरिक्त पोल लगाने, ग्राम पंचायत पगारा में पंचायत के सामने विद्युत लाइन नई बस्ती के नीचे बड़े पेड़ों की छंटनी करवाने बाबत, धारिया धरा के पास विद्युत लाइन के नीचे पेड़ छंटनी करवाने, दोवड़ा जीएसएस के पास घटाऊ फीडर पगारा में ट्रांसफार्मर से दूरी ज्यादा होने से अतिरिक्त पोल लगाने, नई बस्ती विद्युत लाइन पर अतिरिक्त पोल लगाने, चौकी मोड पर स्थित हेलोजन लाइट लगवाने, पगार राजकीय उच्च प्राथमिक



विद्यालय एवं आंगनवाड़ी के मुख्य सड़क पर होने से अवरोधक बनवाने, डाबेला से निचला फला पगारा तक सड़क किनारे झाड़ियां कटवाने, मनरेगा में नाम जुड़वाने, लाइनमैन को पाबंद करने, हेड पंस्ट खुदवाने, जल जीवन मिशन के माध्यम से नल लगवाने, तारबंदी

करवाने, एनीकट बनवाने तथा सिंचाई के लिए पाइपलाइन लगवाने आदि परिवेदनाएं प्राप्त हुईं। जिला कलक्टर ने परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल के दौरान ग्राम वासियों द्वारा बार-बार विद्युत कटौती होने तथा लाइनमैन से संपर्क करने पर

फोन नहीं उठाने की बात कही जिस पर जिला कलेक्टर ने एवीवीएनएल अधिशासी अभियंता को क्षेत्र के समस्त लाइनमैन को पाबंद करने के भी संपर्क नंबर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत पगारा में रात्रि चौपाल के दौरान सरपंच मुकेश अहारी ने जिला कलक्टर को दिव्यांग मुकेश के बारे में जानकारी दी जिस पर जिला कलक्टर ने मौके पर ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अलंकर गुप्ता को दिव्यांग प्रशांत को जिला चिकित्सालय ले जाकर जांच करवाने, उचित उपचार उपलब्ध करवाने, नियमानुसार दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने तथा जनकल्याणकारी योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल के दौरान जिला कलक्टर अंकित कुमार ने दसवीं बोर्ड में भय्या परमार तथा 12वीं बोर्ड में भावना परमार के उकृष्ट परिणाम तथा विद्यालय में टॉपर होने पर माल्यार्पण कर

अभिनेदन कर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर पीईईओ मनोज जैन ने बताया कि विद्यालय में कक्षा दसवीं में 30 विद्यार्थी प्रथम तथा आठ विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं वहीं कक्षा 12वीं में 26 विद्यार्थी में से 19 प्रथम श्रेणी तथा सात विद्यार्थी में द्वितीय श्रेणी प्राप्त की है। इस पर जिला कलक्टर ने श्रेष्ठ परिणाम के लिए विद्यालय टीम को सहीना की। एसीबीईओ विमल साद ने सीबीईओ भूमजो खंड के मार्गदर्शन में बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन योजना हेतु विशेष प्रयास किये जिसमें 254 शिक्षकों के विषयों में सभी विद्यार्थी प्रथम और द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने की जानकारी दी जिस पर जिला कलक्टर ने सराहना की। रात्रि चौपाल में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी, उपखंड अधिकारी डूंगरपुर नीरज मिश्र, तहसीलदार डूंगरपुर बाबू सिंह राजपुरोहित, सहायक विकास अधिकारी मनोज शर्मा सहित समस्त समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

वारदात करने से पहले लुटेरी दुल्हन गिरफ्तार: गिरफ्तारी से पहले किशनगढ मे एक और वारदात करने की तैयारी थी

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। शादी कर घर से गहने, नकदी चोरी करने के प्रकरण में वांछित अभियुक्ता को गंगार थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी से पहले किशनगढ मे एक और वारदात करने की तैयारी थी। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में पेंडिंग प्रकरणों मे वांछित अपराधियों को धरपकड़ करने हेतु समस्त पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इसी काम में परवर्तिसिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय चित्तौड़गढ़ एवं रामेश्वर लाल पुलिस उप अधीक्षक वृत्त गंगार जिला चित्तौड़गढ़ के सुपरिजन में थाना किशनगढ पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी फुला गंगार मय टीम का गठन किया गया। दिनांक 03 मार्च 2023 को थाना हाजा पर प्रार्थी श्री बाबुलाल पिता माधुलाल निवासी भटवाड़ा खुर्द पुलिस थाना गंगार जिला चित्तौड़गढ़ ने न्यायालय गंगार पर एक टाईपशुदा रिपोर्ट कंचन पुत्री भय्या लाल मिश्रा निवासी सतभाई पुरा पोस्ट पोपरी, तहसील बागली देवास मध्यप्रदेश हाल मुकाम खेडी मनासा पुलिस थाना मांगलिया जिला इन्डौर



(म.प्र.) के खिलाफ पेश की कि मुझ प्रार्थी के अविवाहित होने से मेरे मिलने वाले व परिचित रहलु बंजारा ने मुझ प्रार्थी के साथ शादी हेतु लड़की दिखाई। जिससे उक्त लोगों ने मेरी शादी कोर्ट मैरिज करवा दी व कंचन देवी मेरी पति बनकर मेरे साथ रहने लग गयी। व मेरा व परिवार वालो का विश्वास जीत कर झंसा देकर जर जैवरात व नगदी कंचन द्वारा चुरा कर ले जाना। प्रकरणों की गम्भीरता को देखते हुए जिला

पुलिस अधीक्षक ने उक्त वारदात को ट्रेस करने के लिए थानाधिकारी गंगार मय एक टीम का गठन किया। गठीत टीम द्वारा तकनीकी रूप से अनुसंधान करते हुए उक्त लुटेरी दुल्हन कंचन देवी को डिटेंन करने हेतु आसपास मुखबीर मामूर किये गये। संदिग्ध ठिकानों पर जगह-जगह दबीश दी जाकर उक्त वारदात कारीत करने वाली लुटेरी दुल्हन को किशनगढ जिला अजमेर मे एक और वारदात की तैयारी से पहले गिरफ्तार किया गया। लुटेरी अभियुक्ता किशनगढ मे एक अन्य व्यक्ति से कोर्ट मैरिज द्वारा शादी करने की तैयारी में थी जहा पर थाना गंगार की सुचना पर थाना किशनगढ द्वारा अभियुक्ता को किशनगढ मे एक और वारदात करने से पूर्व ही डिटेंन किया। अभियुक्ता कंचन द्वारा कोर्ट मैरिज कर अपने पति व परिवार वालो का विश्वास जीतने के बाद अचानक घर से नगदी व जैवरात चुरा कर चली गयी। उक्त कार्यवाही में निम्न टीम सदस्यों का योगदान रहा। फूलचन्द पुनि थानाधिकारी थाना गंगार, बलवन्त सिंह सजनि, प्रेमनाथ सजनि, रामस्वरूप कानि, गगरतन कानि, कमलेश महलाना कानि आदि रहे।

विद्यार्थियों ने शिक्षक की भूमिका निभा मनाया शिक्षक दिवस

संजीवनी टुडे

बांसडा। निकटवर्ती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़गाव भोंडर में कक्षा 12 के बालकों ने सुबह प्राथना से लेकर पूरे विद्यालय में विधिवत कक्षा संचालन के साथ कक्षा 1 से लेकर 11 वि कक्षा तक सभी कालांश में विधिवत विषयानुसार बच्चों को शिक्षण कार्य करवाया साथ ही इस सुअवसर पर गुरुजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया समारोह के मुख्य अतिथि स्थानीय विद्यालय से सेवा निवृत्ति हुए प्राध्यापक दिनेश चौबीसा थे वही कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राध्यापक राज राजेश्वरी राठौड़ ने की विशिष्ट अतिथि प्राध्यापक मदन लाल जाट, भंवर लाल मेनारिया, प्रदीप सामरिया, माया मेघवाल, ज्योति बाला अजमेर, शंकर लाल मेनारिया, भोपाल सिंह देवड़ा, मान सिंह मीणा, कैलाश चंद्र गुजर, उदयलाल जटिया, नितिन कुमार, नवीन कुमार, नीलम मीणा, चंच चौबिसा थे कार्यक्रम में पवन गाडरी, अर्जुन, सोहन



राहुल, माया, सविता, संगीता, माया, हेमराज, मनीषा, कैलाशी, रवीना कुंवर, राधेश्याम, भावेश ने सभी गुरुजनों का शिक्षक दिवस पर विशेष सम्मान किया साथ दिवस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक ही सीमित न रखते हुए वो उन बच्चों को इस तैयार करे की समाज की मुख्य धारा से जुड़कर वो समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका अदा कर सकें और

एक शिक्षक हमेशा बच्चों के साथ बच्चा बनकर ही वो अच्छे शिक्षक की भूमिका अदा कर सकता है इस दिवस पर प्रधानाचार्य की भूमिका निभा रहे पवन गाडरी ने पूरी लगन और मेहनत से सफलता विद्यालय संचालन का कार्य संपादित किया गुरुजनों को केवल किताबी ज्ञान तक ही सीमित न रखते हुए वो उन बच्चों को इस तैयार करे की समाज की मुख्य धारा से जुड़कर वो समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका अदा कर सकें और

बाली में हुआ दिव्यांगजन कैम्प आयोजित, कुल 588 का रजिस्ट्रेशन



संजीवनी टुडे

बाली, पाली। जिला कलक्टर एलएन मंत्री के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को जिनमें दिव्यांगजन पंजीयन पोर्टल "स्वावलम्बन पोर्टल" पर दिव्यांगजनों का पंजीकरण करवाकर दिव्यांगता प्रमाण पत्र व यूडीआईडी कार्ड जारी कर कर्वाया जाने व दिव्यांगजन का पंजीकरण बढ़ाये जाने व दिव्यांगजनों को डिजिटल दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड जारी करवाये जाने के लिये प्रतिदिन दिव्यांगजनों के लिए शिविर 30 सितम्बर तक आयोजित किए जा रहे है। इस क्रम में आज शुक्रवार को जिले के बाली में दिव्यांगजनों के लाभार्थी शिविर का आयोजन

हुआ। सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के अनुसार जिसमें सभी प्रकार के रजिस्ट्रेशन 588 हुये जिनमें आर्था के 288, मानसिक 178, आई के 48, ईएनटी के 74 प्राप्त हुये। जिन्हें आगामी दिनों में दिव्यांगजनों को लाभान्वित किया जा सकेगा साथ ही इस अवसर पर 57 संयुक्त आवेदन भी शिविर में प्राप्त हुये जिसमें लाभान्वित किया जायेगा। इस अवसर पर शिविर में अतिरिक्त कलक्टर बाली, जितेंद्र पाण्डेय, उपखंड अधिकारी, दिनेश विश्वासी, विकास अधिकारी, चिकित्सा विभाग के डॉक्टर, पंचायतीराज विभाग के, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के कर्मिका मौजूद मौजूद रहे।

वर्तमान में हर युवा को जज्बा, मकसद एवं प्रस्तुतिकरण ही उसे जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा: कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव पीवीसी

बलिवान, त्याग एवं समर्पण की भावना ही प्रत्येक इंसान को श्रेष्ठ बनाती है: गुणवन्तसिंह कोठारी

संजीवनी टुडे

जीवन में हार मान लेना ही सबसे बड़ी कमजोरी है: कर्नल प्रो.शिव सिंह सारंगदेवोत

उदयपुर। भूपाल नोबल्स संस्थान के कुंभा सभागार में कारगिल युद्ध में अपने शौर्य एवं साहस से सभी को चकाचौंध करने वाले शरीर पर 18 गोशिवों झेलने वाले और युपी के सर्वोच्च सम्मान यश भारती और वीरता के सर्वोच्च पुरस्कार परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव ने अपने भावपूर्ण वीर रस से ओतप्रोत शब्दों से उपस्थित समस्त एनसीसी कैडेट्स एवं स्टाफ में नया जोश और जुनून को उत्पन्न कर दिया। व भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय में आयोजित मोटिवेशनल कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। उन्होंने कारगिल युद्ध का आंखों देखा हाल एवं उपस्थित हालातों को सभी के समक्ष रूबरू प्रस्तुत किया। जिससे उपस्थित सभी मंत्र माधु होकर सुनते रहे। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि पाश्चात्य जीवन शैली को त्याग कर प्रकृति के साथ अपने आप को जोड़े। परिस्थितियों के साथ सामंजस्य कर



अपने लक्ष्य निर्धारित करें। अनुशासन और चरित्र निर्माण को प्रथम आवश्यकता बताया, विद्यार्थियों को जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर सम्पूर्ण मन मरिदाक से कर्म करने की बात कही साथ ही आईएमसीटीएफ संस्था की ओर से सामाजिक कार्यकर्ता एवं मोटिवेशनल स्पीकर गुणवंत सिंह कोठारी ने मेवाड़ की धरा पर सदियों से होने वाले बलिवान एवं

शौर्य की गाथाओं से भरे एक से बढ़कर एक उदाहरण प्रस्तुत किये। इस अवसर पर सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ निरंजन नारायण सिंह राठौड़ अपने स्वागत उद्बोधन से किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय चेयरपर्सन कर्नल प्रो.शिव सिंह सारंगदेवोत ने अटल बिहारी वाजपेई की कविता 'हार नहीं मानूंगा' सुना कर

उपस्थित सभी कैडेट्स को राष्ट्र के लिए समर्पण की भावना को विकसित करने पर जोर देते हुए संस्कारों के विकास पर बल दिया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव राजेंद्र सिंह ताणा, प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़, वित्त मंत्री शक्ति सिंह कायेही, कुलसचिव डॉ निरंजन नारायण सिंह राठौड़ विद्या प्रचारिणी सभा सदस्य युवराज सिंह राठौड़, डीन पी जी स्टडीज डॉ प्रेम सिंह रावलोट, विज्ञान संकाय अधिष्ठाता डॉ. रेणु राठौड़, सह अधिष्ठाता डॉ.रितु तोमर, मेजर अनीता राठौड़, लेफ्टिनेंट हरिओम सिंह राणावत, लेफ्टिनेंट शैलजा राणावत एवं कैप्टन चंद्रपाल सिंह चौहान, फलाईंग ऑफिसर डॉ.सुतीश्या सिंह सहित सभी संकाय के अधिष्ठाता एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में परमवीर चक्र विजेता के साथ सभी स्टॉफ और एन सी सी के कैडेट्स ने मुलाकात की, उनके जीवन के उद्देश्य और लक्ष्य पुछे और देशहित में काम करने के लिये प्रोत्साहित किया, सामूहिक फोटो खिंचावया, विद्यार्थियों ने इस बहुत ही यादगार और ऐतिहासिक मुलाकात पर बहुत प्रसन्नता व्यक्त की। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी डॉ कमल सिंह राठौड़ ने दी।

स्काउट-गाइड स्थानीय संघ गुंदोज का वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

राज्य और राष्ट्रीय अवाई स्काउट गाइड को किया सम्मानित

संजीवनी टुडे

पाली। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ गुंदोज का वार्षिक अधिवेशन मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पाली दिलीप कर्मचंदानी और सीओ स्काउट गोविंद मीणा व सीओ गाइड डिम्पल दवे के सानिध्य में सरस्वतीबेन लखमीचन्दजी माणक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुडा एंदला में आयोजित हुआ वार्षिक अधिवेशन में वर्ष पर्यन्त की स्काउट गाइड गतिविधियों का ब्यौरा सदन के सम्मुख प्रस्तुत किया गया एवं उपलब्धियों पर चर्चा की गई तथा आगामी सत्र के प्रस्तावित कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर मनोज कुमार बोरणा द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पाली दिलीप कर्मचंदानी द्वारा बताया गया कि स्काउट गाइड गतिविधियों का संचालन नो बैग डे के दिन होना चाहिए सभी संस्थाप्रधान अपने यूनिट लीडर को स्काउट-गाइड गतिविधियों का सक्रिय संचालन किये जाने के लिये प्रेरित करें। सीओ स्काउट स्काउट गोविंद मीणा ने बताया कि स्काउट जीवन में अनुशासन सिखाता है, स्काउटिंग हमारे चरित्र



निर्माण व नैतिक शिक्षा के लिए बहुत जरूरी है। सीओ गाइड डिम्पल दवे द्वारा बताया गया कि गाइड बालिकाओं में आत्मविश्वास जागृत करता है

और उनके व्यक्तित्व में निखार व निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाता है। स्थानीय संघ सचिव बलवीर कुमार पारगी द्वारा बताया कि इस कार्यक्रम का

विधानसभा उप चुनाव-2024 के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार जिले के चौरासी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता की बालना, कानून व्यवस्था, ईवीएम, निर्वाचन व्यय, यातायात प्रबंधन, मीडिया, साइबर सिक्योरिटी सहित अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों की प्रभावी निगरानी के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) अंकित कुमार सिंह ने एक आदेश जारी कर मैनापार मैनेजमेंट, ट्रेनिंग मैनेजमेंट, स्वीप, वॉटर हेल्पलाइन के लिए जिला परिषद सीईओ मुकेश चौधरी, मैटेरियल मैनेजमेंट के लिए सहायक कोषाधिकारी गंगाराम बलवाई, कंप्यूटराइजेशन, साइबर सिक्योरिटी और सूचना प्रौद्योगिकी के लिए जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी विपिन खन्ना, कानून व्यवस्था, ईवीएम मैनेजमेंट एवं सिक्योरिटी प्लान के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़, बैलेट पेपर, पोस्टल बैलेट और ईटीपीबीएस के लिए अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाड़िया, मीडिया के लिए जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी विष्णु शर्मा, कम्युनिकेशन प्लान के लिए उपखण्ड अधिकारी डूंगरपुर नीरज मिश्र तथा ऑब्जर्वर्स के लिए जिला आबकारी अधिकारी देवेन्द्र गिरी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। विधानसभा उप चुनाव-2024 के दौरान सी-विजिल मोबाइल एप्लीकेशन एवं क्रियान्वयन के संबंध में नोडल अधिकारी एवं प्रशासनिक तथा तकनीकी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने सी-विजिल के लिए प्रशासनिक अधिकारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद डूंगरपुर मुकेश चौधरी एवं तकनीकी अधिकारी अतिरिक्त निदेशक डीओआईटी डूंगरपुर सुनील डामोर को नियुक्त किया है।

डिजिटल सिस्टम से होगी सेहत की रखवाली

हैल्थ संवाददाता

हर इंसान चुस्त-दुरुस्त रहना चाहता है। नए साल के मौके पर हैल्थकेयर इंडस्ट्री आपके लिए खास चीजें लेकर आने वाली है।

जैसे-जैसे समय गुजरेगा आपको पता लगेगा कि अब सेहतमंद रहना आपकी मुट्ठी में है। आप चाहें तो स्मार्टफोन की मदद से भी स्वस्थ रह सकते हैं। अब डॉक्टर्स के पीछे भागने की जरूरत नहीं होगी। आपको किसी भी समय, कहीं भी बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं मिल जाएंगी।

घंटों वर्कआउट से पसीना बहाया और अपनी पसंदीदा खाने की चीजों से समझौता भी किया। हर उस डाइट को अपनाने की कोशिश की जो कुछ दिनों में काया पलटने के दावे करती थी। इन सबके बाद भी वजन कम न हो तो प्रश्न उठता है कि आखिर करें तो क्या? विशेषज्ञ कहते हैं कि यह एक दिन की दौड़ नहीं मैराथन है। अच्छे नतीजों के लिए लंबे समय तक तैयारी जारी रखनी होती है। वजन बढ़ना और तमाम प्रयास के बावजूद वजन कम न कर पाना कई बातों पर निर्भर करता है। तनाव, आनुवंशिक कारण, नींद पूरी न होना, थाइरॉइड या मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव वजन बढ़ने का कारण हो सकते हैं। लेकिन यह भी संभव है कि जानकारी के अभाव में आप ऐसी गलतियां कर रहे हों, जो आपकी सभी कोशिशों पर भारी साबित हो रही हैं।

लक्ष्य हो व्यावहारिक

मुंबई स्थित न्यूट्रिशनल माधुरी रुइया के अनुसार, एक हफ्ते में 5 किलो या एक माह में 20 से 25 किलो वजन कम करने जैसे अव्यावहारिक लक्ष्य न बनाएं। धीमी गति से लंबे समय तक वजन कम करने के लिए खुद को तैयार करें। अपने वजन का एक प्रतिशत हर सप्ताह कम करें। अगर आप पुरुष हैं और कद 180 सेमी व वजन 95 कि.ग्रा. है, तो अपना आदर्श वजन निकालने के लिए कद में से 100 घटा दीजिए। इस मामले में यह 80 कि.ग्रा. होगा। अब अगर 15 किलोग्राम वजन कम करना है, तो एक हफ्ते में 950 ग्राम वजन कम करने का लक्ष्य बनाएं। अगले हफ्ते 900 ग्राम, उसके बाद 850 ग्राम। महिलाओं को कद में से 105 कि.ग्रा. घटाना चाहिए। पुरुषों की कमर 36 इंच व महिलाओं की 31.5 इंच से कम होनी चाहिए।

अपने शरीर को समझे

वेलनेस एक्सपर्ट डॉ. शिखा शर्मा अपनी पुस्तक आर यू फोर्निंग योर हंगर और योर इमोशंस में लिखती हैं, जिन के कारण शरीर के मेटाबॉलिज्म, संरचना व भावनात्मक प्रतिक्रिया पर असर पड़ता है, पर यह भूमिका केवल 30% होती है। दृढ़ इच्छाशक्ति, सही डाइट व उचित व्यायाम का चुनाव करके वजन कम किया जा सकता है। शरीर के कुल वजन में मांसपेशी, वसा, हड्डी और पानी का वजन शामिल होता है। डॉ. माधुरी कहती हैं, जब सही तरीके से वजन कम करते हैं तो सबसे अधिक वसा कम होती है। मांसपेशियां मजबूत होती हैं। पर लंबे समय तक लो कैलोरी डाइट से मांसपेशियों का द्रव्यमान तो कम होता ही है, वसा का स्तर भी बढ़ता है। पर्याप्त पोषण के अभाव में कमजोरी व थकावट होती है। शरीर का आकार बिगड़ने लगता है। साथ ही वसा व शरीर के आपसी तालमेल में भी गड़बड़ी उत्पन्न होती है। टॉक्सिन पैदा करने वाली चीजें और अपचा भोजन शरीर में विषाक्त तत्वों को बढ़ाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार इससे ऊर्जा का प्रवाह पूरे शरीर में नहीं हो पाता। लिबर कमजोर होता है। बार-बार खाने की इच्छा होती है।

पुरुषों की कमर 36 इंच व महिलाओं की 31.5 इंच से कम होनी चाहिए।



एप्स करेंगे सेहत की रखवाली

वर्ष 2015 में हम सबसे देखा कि किस तरह से हैल्थ एप्स ने हमारी सेहत की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। साल 2016 में सेहत के लिए हैल्थ एप्स पर निर्भर रहने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा होगा। इन एप्स की मदद से कहीं भी और कभी भी सेहत संबंधी सलाह ली जा सकती है। ये एप्स आपातकालीन स्थिति में काफी मददगार साबित होते हैं। जहां साल 2013 में 16 फीसदी यूजर्स के फोन में कम से कम एक हैल्थ एप हुआ करता था वहीं वर्ष 2015 में यह आंकड़ा बढ़कर 32 फीसदी हो चुका है। कनेक्टेड डिवाइस फिटनेस ट्रेकर तक ही सीमित नहीं रहेंगे। आने वाले समय में ईसीजी मॉनिटर, ग्लूकोज ट्रेकर, कनेक्टेड पेसमेकर का ट्रेंड रहेगा। अपरिहार्य स्थिति को नियंत्रित करने के लिए ये एप्स सीधे विशेषज्ञों के साथ जानकारीयां शेयर कर सकेंगे जिससे मरीजों को काफी लाभ मिलेगा।

मेंटल हैल्थ पर रहेगा जोर

वर्ष 2016 में वास्तविक ब्रांड ड्रग्स के मुकाबले बायोसिमिलियर ड्रग्स का चलन बढ़ेगा जिससे दवा की कीमतों में भी कमी आएगी। हैल्थ के क्षेत्र में मेंटल हैल्थ पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाएगा। लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक सेहत को सुधारने की दिशा में बड़े कदम उठाए जाएंगे। एक शोध के मुताबिक हर पांच में से एक अमरीकी वयस्क मानसिक रोग से ग्रस्त है। सालाना खर्चों रुपयों के मानसिक स्वास्थ्य के बिजनेस के और तेजी से बढ़ने का अनुमान है।

उफ! क्या करें... वजन ना हुआ कम

सेहत भी जरूरी

इस बात में कोई तूक नहीं कि आप वजन कम करने के लिए सेहत और शरीर के लिए जरूरी ऊर्जा से समझौता करें। सही तरीके से वजन कम करें। वजन कम करने में बढ़िया डाइट और व्यायाम का तालमेल बेहद जरूरी है। सभी समूह का भोजन करें यानी ज्वार बाजार आदि साबुत अनाज लें, तो ब्राउन राइस, पनीर, दूध आदि भी लें। कम स्टार्च वाली सब्जियां काली मिर्च, गोभी, ब्रोकली व मशरूम भी खाएं, तो कुछ मात्रा में वसा उत्पाद भी। वजन कम करने की प्रक्रिया आसान लगेगी। ऊर्जा का स्तर बना रहेगा।

वजन कम न होने की वजह

शुरुआती उत्साह में लोग व्यायाम अधिक करते हैं और खाने कम हैं। नतीजा होता है कि शुरुआत के दो सप्ताह बाद ही शेड्यूल पर कायम नहीं रह पाते। पर्याप्त डाइट के अभाव में मेटाबॉलिक रेट कम होने लगती है। शुरु में तो वजन कम होता है, पर धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। डॉ. माधुरी कहती हैं, शुरुआत आसान व्यायाम से करें। कई तरह के व्यायाम करें, एरोबिक व्यायाम, स्टेमिना बढ़ाने वाले व्यायाम और क्रॉस ट्रेनिंग। कार्डियो और वेट ट्रेनिंग दोनों में संतुलन बनाएं। कम से कम सप्ताह में तीन बार वेट ट्रेनिंग करें और नियमित 20 मिनट कार्डियो व्यायाम करें।

वसा और कार्बोहाइड्रेट से परहेज

कार्बोहाइड्रेट व पोषक तत्व हैं जो ऊर्जा में सबसे बेहतर तरीके से परिवर्तित होते हैं। ऐसे में आहार से कार्बोहाइड्रेट को बहुत कम करना यानी कार को बिना ईंधन के चलाना। पूरी तरह कार्बोहाइड्रेट बंद करने की जगह रिफाईंड कार्बोहाइड्रेट जैसे ब्रेड, क्रैकर्स, सफेद चावल, बिस्कुट व मैदा से बनी चीजों को कम करें। घर का बना संतुलित आहार खाएं। भोजन से पूरी तरह वसा यानी चिकनाईयुक्त पदार्थ हटाने से बार-बार खाने की इच्छा बढ़ जाती है। शरीर पोषक तत्वों को ढंग से ग्रहण नहीं करता। वसा में घुलनशील विटामिन ए, डी व कैल्शियम शरीर को नहीं मिल पाते। इसी तरह पूरी तरह ग्लूटन फ्री डाइट यानी गेंहू, जौ व साबुत अनाज न खाना शरीर में फोलेट व फाइबर तत्वों की कमी करता है।

भोजन न करना

यह सही है कि दोपहर में भोजन न करके सीधे रात में भोजन करना आपकी कैलोरी की मात्रा को घटा सकता है। पर भूख और तृप्ति का एहसास कराने वाले ग्लिन और लैप्टिन हार्मोन तभी ढंग से काम करते हैं जब हम हर चार घंटे बाद कुछ न कुछ खाते हैं। खान-पान और व्यायाम से जुड़े अधिक प्रतिबंध भूख लगने की प्रक्रिया को बाधित करते हैं। दिसंबर 2015 में हुए एक शोध में चूहों के खाने में लंबे अंतराल रखने पर उनमें तृप्ति का एहसास कराने वाले ग्लिन हार्मोन के स्तर में कमी देखने को मिली। जिससे उन्होंने बाद में पहले से अधिक खाया। इससे शरीर की हानिकारक वसा को लाभदायक वसा में बदलने की क्षमता भी कम होती है।

गलत डाइट का चुनाव

हर शरीर की डाइट संबंधी जरूरत अलग होती है। बिना जाने कोई भी डाइट अपनाने से डाइट या तो जेब पर भारी पड़ती है या फिर शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिलता। लंबे समय तक सूप व सलाद पर आधारित क्रेश डाइट अपनाने से शुरुआत में वजन कम होता है, पर ये स्थायी नहीं रह पाता। डाइट में से पूरी तरह प्रोटीन यानी अंडा, दूध, पनीर और मुर्गी उत्पादों को हटाने से कमजोरी महसूस होती है, मांसपेशियों में अनियमितता आती है, बाल व नाखून टूटते हैं, असमय बुढ़ापा नजर आने लगता है। पोषण व जेब दोनों के अनुकूल डाइट ही स्थायी रह पाती है। हफ्ते में एक दिन कुछ मनपसंद भी खाएं।

शरीर पर विकृत आहार का प्रभाव

यह एक अकाट्य तथ्य है कि भोजन स्वास्थ्य की आवश्यकता है, स्वाद की नहीं। आज हम भोजन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नहीं, जिज्ञा के स्वाद के लिए करते हैं। शरीर का पोषण करने वाले तत्वों की अनदेखी कर स्वाद का रस प्रदान करने वाले फास्ट फूड एवं जंक फूड को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। भौतिकवादी वर्तमान युग में भोजन को केवल जायके एवं स्वाद की नजर से देखने का कारण डिब्बाबंद आहार एवं फास्ट फूड का रिवाज बढ़ गया है। वैज्ञानिक मान्यता है कि फास्ट फूड आधारित आहार में विद्यमान कैलोरी और वसा हमारी एक

दिन की ऊर्जा जरूरत पूरी करने में समर्थ तो है मगर इसकी आदत पड़ जाने से हम दिन में कई बार इसकी ओर आकर्षित होने लगते हैं। परिणामस्वरूप शरीर में वसा की मात्रा बढ़ने लगती है और हम अनचाहे मोटापे का शिकार बन जाते हैं। डिब्बाबंद भोज्य पदार्थों में जिन रसायनों का प्रयोग किया जाता है, वे शरीर के न्यूरोहार्मोनल संस्थान पर असर डालते हैं। इन खाद्य पदार्थों को आकर्षक एवं तरोताजा रखने के लिए सोडियम बेंजाइक एसिड, मैग्नीशियम क्लोराइड, कैल्शियम साइट्रेट, सल्फर डाइ-आक्साइड, एरोश्रोसीन आदि

मिलाया जाता है। भोज्य पदार्थों में मिलाए जाने वाले इन रसायनों के असर बताने वाले शोधकर्ता रोगों खड़े करने वाले आंकड़े प्रस्तुत करते हैं। बेंजोइक एसिड बहुत अधिक हानिकारक रसायन है। इसकी हल्की-सी मात्रा भी त्वचा को झुलसाने में सक्षम है। इसकी दो ग्राम मात्रा कुत्ते या बंदर को दी जाए तो वह तुरन्त मर जायेगा। मैग्नीशियम क्लोराइड तथा कैल्शियम साइट्रेट से आंतों में घाव हो जाते हैं। इनके कारण मसूड़ों में सूजन आ जाती है तथा किडनी क्षतिग्रस्त हो सकती है। सल्फर डाइआक्साइड से उदर-विकार उत्पन्न

होते हैं। एरोश्रोसीन भोजन की नली से लेकर समूचे पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाती है। यही नहीं, डिब्बाबंद आहार के इस्तेमाल से ई. कोलाइ, सालमोनेला, सुजेला क्लेकसुला जैसे जीवाणुओं एवं विषाणुओं का संक्रमण हो जाता है। इससे निमोनिया, बेहोशी, तेज बुखार, मस्तिष्क ज्वर, दृष्टिदोष, सयु विकास, हृदयाघात आदि बीमारियां पनपने लगती हैं। स्वास्थ्य संबंधी इन गंभीर परिणामों को जानते हुए भी फास्ट फूड एवं जंक फूड का बढ़ता रिवाज किसी सामूहिक विनाश को आमंत्रण प्रदान करने के समान है।

हर जगह फिटनेस क्लासेज

वर्ष 2016 में फिटनेस क्लासेज सबके लिए मुहैया होंगी। कई बड़ी कंपनियां और स्टार्टअप्स इस दिशा में काम कर रहे हैं कि फिटनेस क्लासेज को सबके लिए सुलभ किस तरह से बनाया जाए। इसके साथ ही वियरेबल टेक्नोलॉजी की मदद आप माइंडसेट ट्रेनिंग ले सकेंगे। इससे आप अपने फिटनेस लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। आने वाले समय में छोटे-छोटे समूहों में फिटनेस की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस ट्रेनिंग में बेसिक हैल्थ से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयां शेयर की जाएंगी।

हैल्थ हो जाएगी डिजिटल

वर्ष 2016 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर फोकस करने वाले स्टार्टअप्स अपना नजरिया बदलेंगे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को हैल्थकेयर सेक्टर पर फोकस करेंगे। मरीज की स्थिति को देखकर मशीनें फैसला ले सकेंगे और दवा व उपचार में मदद कर सकेंगे। हैल्थकेयर इंडस्ट्री में हैल्थ आईटी, मेडिसिन-डिवाइस, बायोटेक, लाइव साइसेज, कन्स्यूमर हैल्थ और वेलनेस जैसी शाखाओं पर विशेष ध्यान दिया जाने लगेगा। डिजिटल हैल्थ का बोलबाला बढ़ेगा। यही नहीं 2016 में हैल्थ इंश्योरेंस को मैनेज करने के लिए नए टूल विकसित होंगे और सेहत से जुड़े डाटा का आकार बढ़ेगा। हाईटेक डेटाबेस का विश्लेषण करके मरीज की बीमारी के इतिहास का तुरंत पता लगा लिया जाएगा। इससे मरीज को समय पर सही इलाज मिल सकेगा। मोटापे और डायबिटीज जैसी क्रॉनिक डिजीज से लड़ने के लिए कारगर उपाय सामने आएंगे।

बच्चे के गले में जब फंस जाए सिक्का

तब आजमाएं ये अचूक उपाय



गले में सिक्का अटकने पर

कई बार छोटे बच्चे सिक्का या कोई अन्य चीज निगल लेते हैं, जिससे वह गले में फंस जाती है। ऐसा होने पर बच्चे को खड़ा करके मुंह में रुमाल फंसाते हुए सिर के पीछे की तरफ बांध दें। इससे वह लंबी सांस नहीं लेगा। लंबी सांस लेने से सिक्का अंदर जाकर आंतों में फंस सकता है। फिर आगे की ओर झुकाकर एक हाथ नाभि पर रखें व दूसरे हाथ से थपथपाएं। फंसी चीज बाहर आ जाएगी। नकसीर, चक्कर व लो-हाई बीपी जैसी आम परेशानियां हैं। अगर अचानक कहीं किसी का बीपी लो हो जाए, तो फर्स्ट एड के रूप में इन तरीकों को अपनाकर स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता है...

चक्कर आने की स्थिति में

दो चम्मच चीनी व चौथाई चम्मच नमक का घोल बनाकर दें व नाक और मुंह के बीच वाले स्थान को दबाएं। ध्यान रहे चीनी व नमक के घोल वाला उपाय सामान्य लोग ही करें। हाई बीपी व डायबिटीज के मरीज न करें। वे फर्स्ट एड के तौर पर नाक व मुंह के बीच वाले स्थान को दबाने वाला तरीका आजमा सकते हैं।

लो-ब्लडप्रेशर

हथेली-तलवे ठंडे होकर उनमें पसीना आना इसके लक्षण हैं। ऐसा होने पर दोनों हथेलियों व तलवों को 5-10 मिनट तक रगड़ें।

हाई ब्लडप्रेशर

सांस में तकलीफ, घबराहट व पसीना आना इसके लक्षण हैं। ऐसा होने पर आज्ञाचक्र (माथे पर बिंदी लगाए जाने वाला स्थान) को एक से डेढ़ मिनट तक दबाएं। इसके अलावा दोनों हाथों की सबसे छोटी अंगुली के नाखून दबाएं।

सीने में तेज दर्द या जलन

ऐसे में हाथ की कलाई को एक रुमाल से कसकर बांधें व देर किए बगैर अस्पताल ले जाएं। इससे क्लॉटिंग की आशंका कम होगी।

नकसीर फूटने पर

व्यक्ति को जमीन पर सीधा लेटाएं व पैरों को एक से डेढ़ फीट की ऊंचाई पर किसी मेज आदि पर रखें। उसके बाद सिर पर ठंडी पट्टी या आइसबैग रखें व गीली मिट्टी सुंघाएं।

कमल हसन ने यूएस के कॉलेज में लिया एडमिशन

मुंबई। कमल हासन ने 69 साल की उम्र में मोटिवेट करने वाला काम किया है। नई-नई टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी हासिल करने की उत्सुकता की वजह से वे कुछ दिनों के लिए यूएस जा रहा। कमल हासन ने अमेरिका के एक टॉप कॉलेज में एडमिशन लिया है। वह वहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का क्रैश कोर्स करेंगे। यू तो ये क्रैश कोर्स 90 दिनों का है, लेकिन वर्क कमिटमेंट के चलते कमल हासन 45 दिनों में ही वापस आ जाएंगे। पिछले साल अबू धाबी में जब कमल हासन ने डेक्कन हेराल्ड को इंटरव्यू दिया था तब उन्होंने कहा था, 'मुझे नई-नई टेक्नोलॉजी के बारे में जानने में बहुत मजा आता है।'

करिना

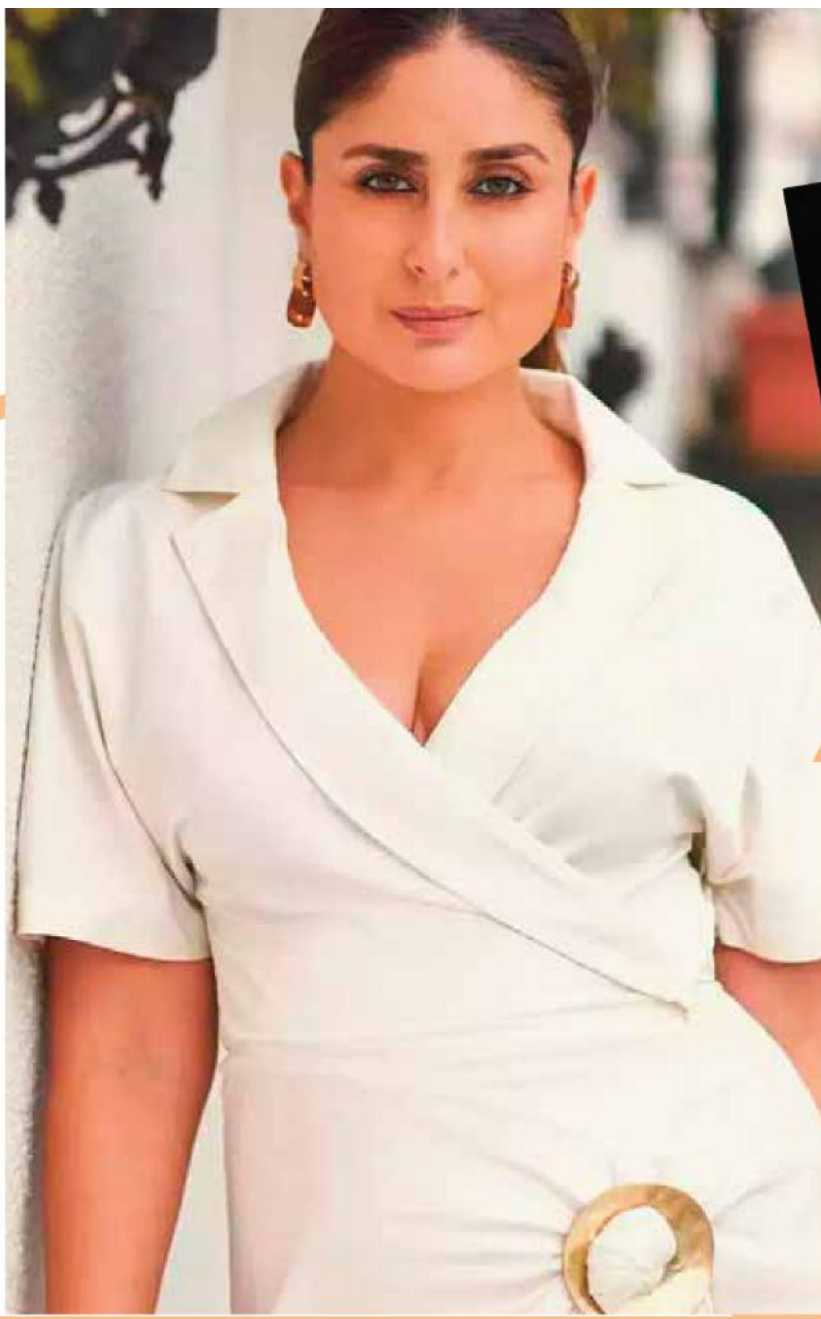
एक हफ्ते में खुल जाएंगे सारे राज

एजेसी ► नई दिल्ली

फिल्म की टीम ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर नया पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, "डिटैक्टिव भामरा के साथ सच्चाई की रोमांचक खोज शुरू होने वाली है! सुलझने में बस एक हफ्ता बाकी। एकता कपूर ने भी अपने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा है, "डिटैक्टिव भामरा के साथ सच्चाई की रोमांचक खोज शुरू होने वाली है! सुलझने में बस एक हफ्ता बाकी #TheBuckingham Murders"। द बकिंगम मर्डर्स करिना कपूर खान की प्रोड्यूसर के रूप में पहली फिल्म है, और लगता है कि वह एक दिलचस्प और रहस्यमय कहानी स्क्रीन पर ले कर आ रही हैं। यह फिल्म एकता कपूर और करिना कपूर खान के बीच एक और पार्टनरशिप है। इससे पहले वे 'वीरे दी वेडिंग' और 'कू' जैसी हिट फिल्मों में चुकी हैं। इस फिल्म के साथ वे मिस्ट्री थ्रिलर जॉनर में अपनी जबरदस्त मौजूदगी दर्ज कराने जा रही हैं। द बकिंगम मर्डर्स 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में करिना कपूर खान, ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन जैसे टैलेंटेड स्टार्स हैं। ये फिल्म हंसल मेहता ने डायरेक्ट की है और असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखी है।

लाइफ Style

करिना कपूर खान की फिल्म 'द बकिंगम मर्डर्स' के रिलीज ट्रेलर ने सभी को प्रेरित किया है। इतना ही नहीं इसने सभी को इस मिस्ट्री थ्रिलर की दुनिया की एक झलक दी है। इसके रिलीज होने में सिर्फ एक हफ्ता बाकी है, और इसका नया पोस्टर जारी कर दिया गया है, जिसमें करिना कपूर खान गंभीर और दिलावश लुक में नजर आ रही हैं।



हॉलीवुड मसाला

ब्रिटेन में मिली बड़ी राहत

लॉस एंजिल्स। फिल्म निर्माता हार्वे वेनस्टीन को ब्रिटेन में बड़ी राहत मिली है। दरअसल, क्राउन प्रॉसेक्यूशन सर्विस (सीपीएस) ने उनके खिलाफ आपराधिक आरोपों को हटाने का फैसला किया है। सीपीएस के मुताबिक उन्हें दोषी ठहराए जाने की कोई वास्तविक संभावना नहीं है। दो साल पहले जून महीने में सीपीएस ने वीनस्टीन द्वारा एक महिला के खिलाफ हमला करने के आरोप लगे थे। ये कथित हमले साल 1996 में लंदन में हुए थे। साक्ष्यों की समीक्षा के बाद अब इन्हें बंद कर दिया गया है।



टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की धूम

टोरंटो। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टिफ) 5 सितंबर को प्रारंभ हुआ। यह कार्यक्रम 15 सितंबर तक जारी रहने वाला है। अगले 10 दिनों में, रॉन हॉवर्ड की सर्वश्रेष्ठ थ्रिलर 'इंडन', एमी एडम्स के साथ मैरिएल हेलेर की हॉरर कॉमेडी 'नाइटब्लि', फंडूय गारफाल्ड और फ्लोरेस पुच अभिनीत एलिनेटेड 'द वाइल्ड रोबोट' और जॉन क्रॉली की 'वी लिव इन टाइम' जैसी फिल्में कनाडाई दर्शकों के लिए प्रदर्शित की जाएंगी। गुरुवार का टीआईएफएफ समारोह डेविड गॉर्डन वॉन की नटकेकर्स की ओपनिंग नाइट स्क्रीनिंग से पहले हुआ, जिसमें बेन स्टिलर ने एक वर्कहॉलिक की भूमिका निभाई, जो अपने हाल ही में अनाथ हुए मत्तियों की देखभाल के लिए ग्रामीण ओहियो की यात्रा करता है। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टिफ) की शुरुआत में हसाइल-हमास युद्ध ने सुर्खियां बटोरीं।

नई प्रेरणा लेकर आता है हर स्टोर : गौरी

नई दिल्ली। फैशन ब्रांड फाल्गुनी शेन पीकॉक ने गुरुवार को नई दिल्ली के द धन मिल में अपने प्रीवियर स्टोर का अनावरण किया। यह उद्घाटन और भी खास था, क्योंकि इस दिन ब्रांड की 20वीं वर्षगांठ थी और यह उसका प्रतीक बना। इस स्टोर को गौरी खान डिजाइन किया है। गौरी खान ने पिछले कुछ सालों में कई हाई-एंड प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। उन्होंने बताया कि कैसे पिछले कुछ वर्षों में उनका डिजाइन सेंस विकसित हुआ है। गौरी ने कहा, 'हर प्रोजेक्ट के साथ मेरा डिजाइन सेंस हर दिन विकसित होता है, जो नई प्रेरणा और एक नया नजरिया लेकर आता है।' 'उब उनसे पूछा गया कि स्टोर बनाने के पीछे क्या था, तो गौरी ने कहा, 'फाल्गुनी और शेन के स्टोर को डिजाइन करना उनकी शैली को एक भौतिक स्थान में बदलने के बारे में था।'



इन तीन फिल्मों का कर रहे निर्माण

मुंबई। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित फिल्म 'लाहौर 1947' में सनी देओल के साथ प्रीति जिंटा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में आमिर खान भी कैमियो रोल करते दिखाई दे सकते हैं। फिल्म 26 जनवरी 2025 पर रिलीज की जा सकती है। फिल्म का निर्माण आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस (आमिर खान प्रोडक्शन) के बैनर तले किया जा रहा है। इसकी अलावा आमिर तीन अन्य फिल्मों का भी निर्माण कर रहे हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित फिल्म 'दैप्टी पटेल' में वीर दास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म पहले से ही पूरे जोरों पर है और गोवा के सूर्य स्थानों में इसकी शूटिंग चल रही है। इस विचित्र कॉमेडी फिल्म को लेकर अटकलें थीं कि इसमें इमरान खान मुख्य भूमिका निभाएंगे लेकिन आमिर ने साफ कर दिया था कि फिल्म में वीर दास लीड कलाकार हैं।

टीवी मसाला



पसलियों में चोट के बावजूद 'बिग बॉस 18' के सेट पर पहुंचे सलमान

नई दिल्ली। बिग बॉस 18 जल्द ही फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है और सलमान खान शो को होस्ट करने के लिए वापस आ रहे हैं। कुछ दिनों पहले इंटरनेट पर उनके पसलियों की चोट के कारण बिग बॉस 18 में शामिल न होने की खबर सामने आई, लेकिन अब अभिनेता ने बिग बॉस 18 के प्रोमो की शूटिंग के लिए आकर सभी अफवाहों को खारिज कर दिया है। सोशल मीडिया पर इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें सलमान खान बिग बॉस 18 के सेट के बाहर नजर आ रहे हैं। इस दौरान सलमान खान को तस्वीरों के लिए पोज देते समय संघर्ष करते हुए देखा गया। वे अपनी पसलियों को छुने हुए दिखाई दे रहे हैं, ऐसा लग रहा था, जैसे उन्हें बहुत दर्द हो रहा है। दर्द में होने के बावजूद सलमान सेट पर पहुंचे और उन्हें बाहर अपने प्रशंसकों से भी मुलाकात की। इसके साथ प्रोमो भी शूट किया। 'बिग बॉस 18' का प्रोमो सितंबर 2024 के मध्य में आने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बिग बॉस 18 को 5 अक्टूबर को लॉन्च किया जाएगा। शोएब इब्राहिम, धीरज धूपर, मंसरी श्रीवास्तव, सम्य रैना और अन्य के शो में प्रतिस्पर्धी के रूप में भाग लेने की उम्मीद है।

शिल्पा शिंदे ने फिल्म निर्माता पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

नई दिल्ली। अंगूरी मामी के किरदार से घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री शिल्पा शिंदे इन दिनों स्टेट बेस्ट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' में नजर आ रही हैं। शिल्पा अपने बेबाक बयान के लिए भी प्रशंसकों के बीच काफी चर्चित हैं। इसी बीच अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम से जुड़ा बड़ा खुलासा कर हर किसी को हैरान कर दिया है। शिल्पा शिंदे ने एक हिंदी फिल्मकेकर पर यौन शोषण का गंभीर आरोप लगाया है। शिल्पा शिंदे ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि उनके करियर के शुरुआती दिनों में उन्हें ऑडिशन की आड़ में फिल्म निर्माता को लुभाने के लिए कहा गया था। यह रहस्योद्घाटन न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट के सार्वजनिक जारी होने के बाद कई अभिनेताओं द्वारा यौन उत्पीड़न और हमलों के अपने अनुभवों को साझा करने के बाद आया है। शिल्पा ने कहा, 'मैं झूठ नहीं बोल रही हूँ, लेकिन मैं उनका नाम नहीं ले सकती।'



'गोट' ने 50 करोड़ पार की वर्ल्डवाइड ओपनिंग

नई दिल्ली। सुपरस्टार तलपती अपनी नई फिल्म गोट यानी बेटेस्ट ऑफ आल टाइम के साथ एक बार फिर वहाइ आते हुए नजर आ रहे हैं। 5 सितंबर को बुनियादर में रिलीज होने के बाद इस फिल्म के रिव्यू तो सामने आ ही गए हैं। ट्रेड एनालिसट मनोबाला विजयाबालन ने बताया है कि यह वीकेंड फिल्म के लिए काफी जरूरी है। पहले दिन तमिलनाडु में 23.87 करोड़, आंध्रप्रदेश में 3.06 करोड़, कर्नाटक में 8.24 करोड़, केरल में 5.95 करोड़, बाकी शहरों में 1.69 करोड़ की कमाई फिल्म ने की है। बाकी 34.12 करोड़ की फिल्म ने कमाई हासिल की है। इसके बाद भारत में 76.93 करोड़ का कलेक्शन फिल्म ने हासिल किया है। इसके चलते फिल्म के टाइटल को साबित करने के लिए जेलर के 650 करोड़ 2.0 के 800 करोड़ के आंकड़े को पीछे छोड़ना होगा। भारत में पहले दिन की कमाई की बात करें तो 43 करोड़ की कमाई फिल्म ने हासिल कर ली है, जिसके बाद त्रिकोण रौशन की फाइटर को फिल्म ने पीछे छोड़ दिया है। जबकि फिल्म का बजट 400 करोड़ तक का बताया जा रहा है, जिसके चलते इस वीकेंड फिल्म को कमाल दिखाना होगा।



'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' का ट्रेलर हुआ रिलीज



मुंबई। निर्माताओं ने शुक्रवार को 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। रीमा कागती द्वारा निर्देशित इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में आदर्श गौरव, धिनीत कुमार सिंह और शशांक अरोड़ा मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी महाराष्ट्र के छोटे से शहर मालेगांव की पृष्ठभूमि पर तैयार की गई है। ट्रेलर को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दिया गया है। 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' 13 सितंबर को टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में एक विशेष विश्व प्रीमियर के लिए रेट किया गया है, इसके बाद 10 अक्टूबर को बॉम्बेआई लंबव फिल्म फेस्टिवल में एक शोकेस भी किया जाएगा। ट्रेलर में देखा जा सकता है कि मालेगांव के निवासी बॉलीवुड सिनेमा देखकर फिल्म बनाने की सोचते हैं। ट्रेलर में हमें एक शौकिया फिल्म निर्माता नासिर शेख (आदर्श गौरव) और उसके दोस्तों के समूह की दुनिया से रूबरू कराया गया है। ये सभी एक साथ फिल्म बनाना चाहते हैं। हालांकि, ट्रेलर के क्लाइमैक्स में टिलवट आपको यह सोचने पर मजबूर कर देता है कि क्या नासिर का सपना पूरा हो पाएगा? फिल्म के ट्रेलर में हल्के-फुल्के और दिल को छू लेने वाले पलों का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिल रहा है। रीमा कागती के निर्देशन में बनी यह फिल्म आपको प्रभावित कर देगी।

सिद्धिविनायक मंदिर दर्शन करने पहुंचे रणवीर-दीपिका

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ना बनने वाली हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि उनकी डिलीवरी डेट 28 सितंबर है, जिस दिन रणवीर कपूर का जन्मदिन होता है। हालांकि कुछ कंफर्म नहीं है। अब रणवीर सिंह के साथ दीपिका पादुकोण सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची हैं। 6 सितंबर के दोपहर तीन बजे से गणेश चतुर्थी का समय शुरू हो गया है। ऐसे में कपल बच्चे बाप का दर्शन करने मुंबई के महादूर सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे हैं। इस दौरान जहां ऑफ व्हाइट कुर्ते-पायजामे में रणवीर सिंह नजर आए, वहीं, हरे रंग की बनारसी सिल्क साड़ी में दीपिका पादुकोण दिखाई दीं। इस दौरान वह दोनों गंगे पांथे। पति का हाथ थामे हुई थीं। रास्ते में मिल रहे फैंस का वह अभिवादन भी कर रही थीं। हालांकि वह अकेले नहीं थीं। उनका पूरा परिवार साथ था। दोनों के मम्मी-पापा भी स्पॉट हुए हैं। दीपिका पादुकोण के चेहरे की रौक और सुखी देख फैंस तो निहाल हुए ही।



फिल्मी है यश जौहर की कहानी, हर शख्स था उनके स्वभाव का कायल

साधारण नौकरी से धर्मा प्रोडक्शन तक तय किया सफर

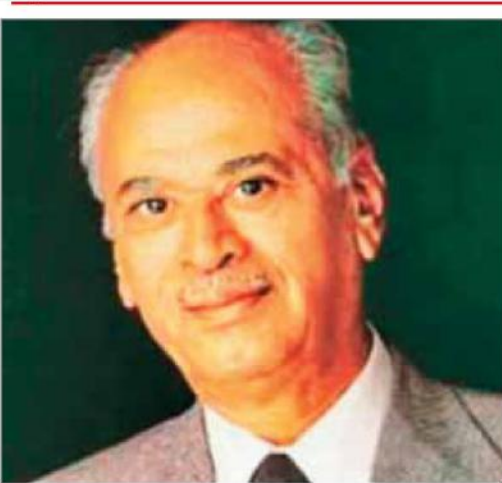
एजेसी ► मुंबई

आज यश जौहर की बर्थ एनिवर्सरी है, आइए इस मौके पर उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण किस्सों के बारे में जानते हैं। यश जौहर का जन्म अमृतसर में 6 सितंबर 1929 में हुआ। वह कुछ समय शिमला, लाहौर और दिल्ली में रहे। यश ने अपनी दादी की सलाह पर घर से भागकर मुंबई आए। दरअसल, उनकी दादी हमेशा कहती थी कि वह यहां के लिए नहीं बने हैं। वह कुछ बड़ा करने के लिए पैदा हुए हैं। उनकी दादी ने भागते हुए उन्हें कुछ रुपए दिए और वहां से निकलने में उनकी मदद की।

फोटोग्राफर की नौकरी की

50 के दशक में मुंबई आने के बाद उन्होंने 'टाइम्स ऑफ इंडिया' में बतौर फोटोग्राफर की नौकरी की। इस नौकरी के दौरान ही उनकी किस्मत ने करवट लेना शुरू किया। एक दिन वह तस्वीरों के

धर्मा प्रोडक्शन की नींव रखने वाले यश जौहर का हिंदी सिनेमा में महत्वपूर्ण योगदान है। यश जौहर अपने काम के लिए तो महादूर है ही, लेकिन वह अपने नरम स्वभाव और नेक दिली के लिए भी जाने जाते हैं। फिल्म इंडस्ट्री का लगभग हर शख्स उनके स्वभाव का कायल था। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में खूब मान सम्मान कमाया, जिसका फायदा उनके बेटे करण जौहर को भी मिला।



1976 में खुद की बनाई कंपनी

साल 1976 में यश जौहर ने अपनी जिंदगी को नया अवसर दिया। उन्होंने खुद की कंपनी खड़ी की। उन्होंने धर्मा प्रोडक्शन की नींव रखी। धर्मा प्रोडक्शन ने उन्होंने पहली फिल्म बनाई दोस्ताना बनाई। यह वही दोस्ताना थी, जिसमें अभिताम बच्चन ने अभिनय किया और इसकी कहानी जावेद-सलीम की जोड़ी ने लिखी। यह फिल्म बॉक्स पर भी हिट रही।

सिलसिले में मधुबाला से मिले। यश का स्वभाव अभिनेत्री को काफी पसंद आया। उन्होंने यश को एक प्रोडक्शन हाउस में नौकरी भी दिलाया। प्रोडक्शन हाउस में जुड़ने के बाद यश जौहर ने कई दिग्गजों के प्रोडक्शन हाउस में बतौर प्रोडक्शन कंट्रोलर काम किया। 60 के दशक में आते-आते वह देवानंद के प्रोडक्शन हाउस 'नवनिर्केतन फिल्म' से जुड़े। यहां उन्होंने 12 साल काम किया। अपने स्वभाव की वजह से देवानंद से भी उनके अच्छे संबंध हो गए और इंडस्ट्री के सभी लोग उन्हें जानने लगे।

सिनेमाघरों में 13 सितंबर को दोबारा रिलीज होगी 'वीर-जारा'



नई दिल्ली। शाहरुख खान और प्रीति जिंटा अपनी शुरु प्रेम कहानी 'वीर-जारा' के साथ एक बार फिर सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे हैं। फिल्म निर्माता वश चोपड़ा का सिनेमाई जादू एक बार फिर लोगों को देखने को मिलेगा। 'वीर-जारा' शाहरुख खान की सबसे बेहतरीन रोमांटिक फिल्मों में से एक है। शाहद ही शाहरुख का कोई ऐसा प्रशंसक होगा, जिसकी पसंदीदा फिल्मों की लिस्ट में यह फिल्म शामिल ना हो। फिल्म के दोबारा रिलीज होने की जानकारी यश राज फिल्मस के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा किया गया है। पोस्ट में लिखा था, 'स्वर्ग में बनी जोड़ी वीर-जारा शुक्रवार, 13 सितंबर को सिनेमाघरों में वापस आ रही है! इसे अपने नजदीकी सिनेपोलिस स्क्रीन पर देखें! फिल्म के फिर से रिलीज होने की जानकारी मिलते ही प्रशंसक उत्साहित हो गए। एक सोशल मीडिया यूजर ने टिप्पणी की, 'वह इसे फिर से देखने का हतजाज नहीं कर सकता।' 'एक अन्य यूजर ने लिखा, 'दिन की सबसे अच्छी खबर!'

स्वर संक्षेप

स्पाइसजेट ऋण व इक्विटी से 3200 करोड़ जुटाएगी



मुंबई। नकदी संकट से जूझ रही धरेलू एयरलाइन्स कंपनी स्पाइसजेट ने ऋण व इक्विटी तथा प्रवर्तक द्वारा पूंजी निवेश से 3,200 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की योजना बनाई है। इस धनराशि का इस्तेमाल देनदारी का निपटान, बेड़े के विस्तार, अन्य सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

बाजार स्टाइल का शेयर तीन फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध



नई दिल्ली। रेखा झुनझुनवाला समर्थित खुदरा परिधान विक्रेता बाजार स्टाइल रिटेल का शेयर शुक्रवार को बाजार में सपाट शुरुआत करने के बाद अपने निर्गम मूल्य 389 से करीब तीन प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। कंपनी का शेयर 389 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान 10.83 प्रतिशत बढ़कर 431.15 रुपये पर पहुंच गया था।

स्ट्राइड्स फार्मा को जेनेरिक के लिए अमेरिका में मंजूरी



नई दिल्ली। स्ट्राइड्स फार्मा साइंस लिमिटेड की शाखा को थियोफिलिन एक्सटेंडेड-रिलीज गोले के जेनेरिक संस्करण के लिए अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से मंजूरी मिल गई है। स्ट्राइड्स फार्मा ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड (सिंगापुर) को दी गई मंजूरी एक्सटेंडेड-रिलीज टैबलेट 300 एमजी और 450 एमजी के जेनेरिक संस्करण के लिए है।

'डीडैक इंडिया-2024' में भाग लेगी 20 देशों की कंपनियां



नई दिल्ली। एशिया की सबसे बड़ी शिक्षा एवं कोशल क्षेत्र की प्रदर्शनी और सम्मेलन 'डीडैक इंडिया 2024' के 14वें संस्करण में 20 देशों की 300 से अधिक कंपनियां शामिल होंगी। कंपनियां 5,000 से अधिक उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेंगी। 14वें संस्करण का आयोजन आईडीए के साथ मिलकर वैश्विक प्रदर्शन मेसे स्टार्टअप इंडिया द्वारा किया जाएगा।

ब्रिगेड एंटरप्राइजेज ने क्यूआईपी से जुटाए 1,500 करोड़ रुपए



नई दिल्ली। बेंगलूर स्थित ब्रिगेड एंटरप्राइजेज ने कारोबार विस्तार की अपनी रणनीति के तहत संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 1,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने धन जुटाने के लिए दो सितंबर को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) जारी किया था, जो पांच सितंबर को बंद हुआ।

फिनोलेक्स केबल ने बर्वे को किया चेयरमैन नियुक्त



नई दिल्ली। फिनोलेक्स केबल (एफसीएल) ने रत्नाकर बर्वे को अपना नया चेयरमैन नियुक्त किया है। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। बर्वे ने निखिल नाइक का स्थान लिया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील विध्याधिकरण (एनसीएलएटी) वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के परिणाम को हरी झंडी दिए जाने के लगभग एक सप्ताह बाद यह नियुक्ति हुई है। बैठक में शेयरधारकों ने निदेशक मंडल के पूर्व कार्यकारी चेयरमैन दीपक छाबड़िया की पुनः नियुक्ति के खिलाफ मतदान किया था।

टमाटर, पॉल्ट्री की कीमतें घटने से खाने की थाली हुई सस्ती

एजेंसी ►► मुंबई

पवित्र श्रावण मास में अधिकांश लोगों के मांसाहार से परहेज करने की वजह से टमाटर और पॉल्ट्री की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इससे अगस्त के महीने में घर में पकाए जाने वाले भोजन की कीमतों में कमी देखी गई। धरेलू रेंटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, शाकाहारी भोजन की कीमत जुलाई के 32.6 रुपये प्रति थाली की तुलना में अगस्त में चार प्रतिशत घटकर 31.2 रुपये हो गई। वहीं पिछले साल के अगस्त महीने में इसकी कीमत 34 रुपये प्रति थाली थी।

टमाटर की नरमी की रही अहम भूमिका

यह जुलाई के मुकाबले 23 प्रतिशत और एक साल पहले के मुकाबले 51 प्रतिशत की गिरावट है। थाली की कीमतों में गिरावट के पीछे टमाटर में आई नरमी की अहम भूमिका रही है। शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल हैं, जबकि मांसाहारी थाली में दाल की जगह खंयार मुगों की कीमतें शामिल हैं।

धरेलू रेंटिंग एजेंसी क्रिसिल ने जारी की रिपोर्ट



बॉयलर की कीमत तीन फीसदी गिरी

हिंदुओ के लिए बेहद पवित्र श्रावण माह में बॉयलर की कीमतों में मासिक आधार पर तीन प्रतिशत और सालाना आधार पर 13 प्रतिशत गिरावट आई। इससे पिछले साल की तुलना में मांसाहारी थाली की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा इस साल की शुरुआत में रसोई गैस की कीमतों में कमी आने से ईंधन की लागत में 27 प्रतिशत की गिरावट आई है।

तेल, मिर्च और जीरे की कीमतों में रही नरमी

साथ ही वनस्पति तेल, मिर्च और जीरे की कीमतों में नरमी ने भी पिछले साल की तुलना में भोजन की लागत को कम किया है। क्रिसिल ने कहा कि अगस्त में भोजन की कीमतों में अधिक गिरावट आती लेकिन प्याज की कीमतों में 15 रुपये प्रति किलोग्राम और आलू की कीमतों में सालाना आधार पर 13 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी से ऐसा नहीं हो पाया।



निवेशकों के एक झटके में 5.49 लाख करोड़ स्वाहा

शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 1,017 अंक टूटकर दो सप्ताह के निचले स्तर पर

एजेंसी ►► मुंबई

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी कोषों की ताजा निकासी की वजह से शुक्रवार को धरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,017 अंक लुप्त हुआ, जबकि निफ्टी ने 293 अंक का गोता लगाया। कारोबारियों ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), तेल एवं गैस कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में बिकवाली आने से स्थानीय बाजार में बड़ी गिरावट आई। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,017.23 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 81,183.93 अंक पर बंद हुआ। यह दो सप्ताह का सबसे निचला बंद स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 292.95 अंक गिरकर 24,852.15 अंक पर आ गया। यह निफ्टी में गिरावट का लगातार तीसरा सत्र रहा।

धरेलू बाजार में रही घबराहट

जियोजॉन्ट फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "एफआईआई खुलासा मानकों पर सेबी की समयसीमा के कारण धरेलू बाजार में घबराहट रही। हालांकि, इससे दीर्घावधि में एफआईआई के बीच भारत को लेकर आकर्षण पर कोई असर पड़ने की आशंका नहीं है।"

एसबीआई में चार फीसदी की बड़ी गिरावट



सेंसेक्स की 30 कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में सर्वाधिक चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा एनटीपीसी, आईसीआईआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और आईटीसी के शेयरों में भी नुकसान रहा। दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस, एशियन पेट्रोल, जेएसडब्ल्यू स्टील और मारुति सुजुकी के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

एशियाई बाजार में रही गिरावट

इस तरह कारोबारी सप्ताह का समापन खड़े नुकसान के साथ हुआ। इस सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स में 1,181.84 अंक यानी 1.43 प्रतिशत जबकि एनएसई निफ्टी में 383.75 अंक यानी 1.52 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोसपू, जापान का निको, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में भी गिरावट दर्ज की गई।

- वैश्विक बाजार में कमजोर रुख रहा
- विदेशी कोषों ने बड़े पैमाने पर की निकासी
- धरेलू शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज

कूड आइल में तेजी रही

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 688.69 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। इस बीच, वैश्विक तेल मानक बेंट कूड 0.14 प्रतिशत बढ़कर 72.79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

निवेशकों की संपत्ति 5.49 लाख करोड़ रुपए घटी

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच धरेलू शेयर बाजार में भारी गिरावट से शुक्रवार को निवेशकों की संपत्ति 5.49 लाख करोड़ रुपये घट गई। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,017.23 अंक यानी 1.24 प्रतिशत का गोता लगाते हुए 81,183.93 अंक पर बंद हुआ। यह 23 अगस्त के बाद सेंसेक्स का सबसे निचला स्तर है।

कंपनियों के बाजार पूंजीकरण पर पड़ा असर

शेयर बाजार में आई बड़ी गिरावट का असर बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण पर पड़ा और यह 5,49,925.16 करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट के साथ 4,60,18,976.09 करोड़ रुपये (5.48 लाख करोड़ डॉलर) रह गया। व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप सूचकांक में 1.41 प्रतिशत की गिरावट आई।

भारत 2025-26 में कार्बन फाइबर का उत्पादन करेगा : कपड़ा मंत्री

एजेंसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि भारत में 2025-26 में कार्बन फाइबर का उत्पादन शुरू हो जाएगा। कार्बन फाइबर का उपयोग अंतरिक्ष, सिविल इंजीनियरिंग और रक्षा क्षेत्र में धातु के विकल्प के रूप में किया जाता है।

वर्तमान में, भारत कोई कार्बन फाइबर का उत्पादन नहीं करता है और पूरी तरह से अमेरिका, फ्रांस, जापान और जर्मनी जैसे देशों से आयात पर निर्भर है। यूरोपीय संघ द्वारा प्रस्तावित कार्बन सीमा समायोगन तंत्र कार्बन आयात पर अंतर्निहित कर है जिसके 2026 से लागू होने की उम्मीद है। सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, "आने वाले दिन प्रत्येक क्षेत्र में तकनीकी कपड़े के हैं... मुझे पूरा विश्वास है कि 2025-26 में आला कार्बन फाइबर



कार्बन फाइबर का उपयोग अंतरिक्ष, इंजीनियरिंग व रक्षा क्षेत्र में

उत्पाद भी भारत के पास होगा। मंत्री ने जोर देकर कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से स्वच्छता क्षेत्र में 'आयात को संतुलित' किया गया है। सिंह ने कहा, "पहले हम डायपर आयात करते थे। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद, जिसने उद्योग में उत्साह पैदा किया है।

पीएलआई योजना जैसे कदम उठाए गए

मंत्री ने कहा कि सरकार भारत के तकनीकी वस्त्र उद्योग के विकास के लिए पूरी तरह समर्थित है और इसके लिए उसने राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन, एमएसएमएफ फंडिंग, एमएसएमएफ परिधान और तकनीकी वस्त्रों के लिए पीएलआई योजना आदि जैसे विभिन्न कदम उठाए हैं।

अमेरिका में अगस्त के दौरान रोजगार में मामूली बढ़त

एजेंसी ►► वाशिंगटन

अमेरिका में अगस्त माह में नियोक्ताओं ने जुलाई की तुलना में कहीं अधिक लोगों को रोजगार दिया। इस अवधि में बेरोजगारी दर भी पांच माह में पहली बार गिरावट पर रही। अमेरिकी श्रम विभाग ने शुक्रवार को अगस्त के रोजगार आंकड़े जारी करते हुए कहा कि बीते महीने 1.42 लाख रोजगार पैदा हुए जबकि जुलाई में यह संख्या 89,000 थी। हालांकि, रोजगार बाजार अब भी सुस्त बना हुआ है। अगस्त में बेरोजगारी दर घटकर 4.2 प्रतिशत पर आ गई जबकि जुलाई महीने में यह 4.3 प्रतिशत थी। जुलाई में बेरोजगारी दर तीन साल के उच्चतम स्तर पर



- बेरोजगारी दर भी घटी
- पांच माह में पहली बार गिरावट रही

रिजर्व के दो प्रतिशत के दायरे में आ जाने से नीतिगत ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें बढ़ गई हैं। नीतिगत दर इस समय 23 साल के उच्चतम स्तर पर बनी हुई है।

पहुंच गई थी। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इन रोजगार आंकड़ों से पता चलता है कि ऊंची ब्याज दरों के दबाव में रोजगार बाजार सुस्त होने के बावजूद इसमें बढ़त बनी हुई है। कुछ नियोक्ता जुलाई में अपना खर्च बढ़ाने वाले उपभोक्ताओं से आ रही मांग को समर्थन दे रहे हैं। खुदरा मुद्रास्फीति के अब फेडरल रिजर्व के दो प्रतिशत के दायरे में आ जाने से नीतिगत ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें बढ़ गई हैं। नीतिगत दर इस समय 23 साल के उच्चतम स्तर पर बनी हुई है।

नौकरी वृद्धि के अनुमान को किया संशोधित

इस बीच, श्रम विभाग ने अपनी मासिक रिपोर्ट में पिछले दो महीनों के लिए नौकरी वृद्धि के अनुमान को भी संशोधित किया है। जुलाई की वृद्धि को 1.14 लाख के शुरुआती अनुमान से घटाकर 89,000 कर दिया गया जबकि जून के लिए इसे 1.79 लाख से घटाकर 1.18 कर दिया गया। इस तरह अमेरिका में पिछले तीन महीनों में औसतन केवल 116,000 लोगों की ही भर्तियां हुई हैं जो पिछले साल की समान अवधि में 211,000 थीं।

गॉडफ्रे सिगरेट कारोबार पर ध्यान करेगी केंद्रित

नई दिल्ली। सिगरेट बनाने वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया (जीपीआई) लिमिटेड की चेयरपर्सन बीना मोदी ने शुक्रवार को कंपनी के खुदरा कारोबार '24सेवन' को बंद करने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि ऐसा अपने मुख्य सिगरेट कारोबार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया है। '24सेवन' के पीछे बीना मोदी के पुत्र समीर मोदी का दिमाग है, जिनका अपनी मां के साथ संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है। शेरधारकों को संबोधित करते हुए बीना मोदी ने कहा, "हमारे मुख्य व्यवसाय पर यह ध्यान दिवांगत वैश्विक प्रबंधन गुरु प्रोफेसर सी के प्रहलाद के 'मुख्य योग्यता का सिद्धांत' के अनुरूप है।

स्विगी के मंच पर 'इनकॉग्निटो' मोड ऑर्डर की अब सुविधा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

ऑनलाइन आपूर्ति मंच स्विगी ने शुक्रवार को कहा कि उसने उद्योग में पहली बार 'इनकॉग्निटो' मोड सुविधा शुरू की है, जिससे उपयोगकर्ता भोजन और अन्य जरूरी सामान का ऑर्डर गोपनीय ढंग से दे सकते हैं। इनकॉग्निटो इंटरनेट ब्राउजर का एक खास स्वरूप है जिसका इस्तेमाल करने पर उपयोगकर्ता की सच हिस्ट्री दर्ज नहीं होती है और इस मोड में भी कोई गतिविधियां सामान्य ब्राउजर



में नहीं दिखाई देती हैं। स्विगी ने बयान में कहा कि उसके मंच पर इनकॉग्निटो मोड को सक्रिय कर उपयोगकर्ता गोपनीय रूप से खरीदारी कर सकता है और उसका ऑर्डर ऐप की हिस्ट्री में भी नहीं दिखाई देगा। यह सुविधा स्विगी के फूड और इंस्टामार्ट दोनों खंडों पर उपलब्ध कराई गई है। गुप्त मोड गोपनीय खरीदारी के लिए भी आदर्श है क्योंकि यह सुविधा सुनिश्चित करती है कि ऐसे ऑर्डर निजी रहें ताकि उपयोगकर्ताओं की पसंद दूसरों को दिखाई न दे।

विदेशी मुद्रा मंडार बढ़कर 683.987 अरब डॉलर



मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा मंडार 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 2,299 अरब डॉलर बढ़कर 683.987 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। आरबीआई ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा मंडार 7,023 अरब डॉलर बढ़कर 681.688 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के

अनुसार, 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में मुद्रा मंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा अस्तित्वा 1,485 अरब डॉलर बढ़कर 599,037 अरब डॉलर हो गई। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा अस्तित्वा में विदेशी मुद्रा मंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। अमेरिकी सप्ताह में स्वर्ण मंडार का मूल्य 86.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 61.859 अरब डॉलर हो गया।

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने कहा

इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र को स्वामाविक रूप से बढ़ने दें

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सरकार को धरेलू इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र को प्रोत्साहन पर निर्भरता के बिना स्वामाविक रूप से बढ़ने देना चाहिए क्योंकि इससे देश चीन के लिए 'ईवी कॉलोनी' बनने से बच जाएगा। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने शुक्रवार को यह बात कही। इसमें कहा गया है कि भारत को बड़े पैमाने पर ईवी को अपनाने में ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनका सामना अन्य देशों को नहीं करना पड़ रहा है। जीटीआरआई ने कहा कि इन चुनौतियों में कोयले जैसे जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न 80 प्रतिशत बिजली, बार-बार बिजली कटौती और देश में बैटरी और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे ईवी बनाने के लिए जरूरी घटकों के लिए आयात पर निर्भरता शामिल है।

देश चीन के लिए ईवी कॉलोनी बनने से बच जाएगा

चीन की नजरें भारत के बाजार पर जमीं

शोध संस्थान ने कहा कि वैश्विक ईवी बाजार में भूचल आ रहा है, जिसकी वजह अमेरिका, यूरोपीय संघ और कनाडा द्वारा चीन से ईवी और उसके पुर्जों के आयात पर उच्च शुल्क और प्रतिबंध लगाना है। ये क्षेत्र चीन के वैश्विक ईवी निर्यात का लगभग आधा हिस्सा बनाते हैं और एक रणनीतिक मोड़ में, चीन अपना उत्पादन आरिपयान देशों में स्थानांतरित कर रहा है और भारत पर अपनी नजरें जमा रहा है।



इकाइयां अब भी चीन से आयात पर निर्भर

जीटीआरआई के संस्थापक अध्यक्ष श्रीवास्तव ने कहा, ये उत्पादन इकाइयां अब भी चीन से आयात पर बहुत अधिक निर्भर रहेंगी, क्योंकि बैटरी सहित 70-80 प्रतिशत पुर्जे वहां से आते हैं। थर्डलैंड चीनी कंपनियों को स्थानीय उत्पादन की अनुमति देने वाला पहला देश है।

भारत के पास अपना बड़ा बाजार

जीटीआरआई ने कहा, "इन चुनौतियों पर विचार करते हुए भारी प्रोत्साहनों के साथ मेहनत में उतरने या चीनी आयात पर निर्भर होने के बजाय भारत के पास अपने ईवी क्षेत्र को स्वामाविक रूप से विकसित होने देने का अवसर है। बाजार की ताकतों को क्षेत्र की वृद्धि को आगे बढ़ाने की अनुमति देकर, भारत चीन के लिए 'ईवी कॉलोनी' बनने से बच सकता है और वैश्विक ईवी परिदृश्य में अपना सुरक्षा बना सकता है।" थाईलैंड कम बिक्री की शिकायतों का सामना कर रहा थाईलैंड जो पहले से ही बढ़ते आयात और स्थापित विनिर्माताओं से कम बिक्री की शिकायतों के कारण चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह भी जोखिम है कि चीन भारत में अतिरिक्त इलेक्ट्रिक वाहन डाल सकता है, क्योंकि विकसित बाजारों तक उसकी पहुंच कठिन हो जाएगी।

किआ ने सेल्टोस, सोनेट और कैरेंस के 'ग्रेविटी' संस्करण पेश किए



नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता किआ इंडिया ने भारतीय परिचालन के पांच साल पूरे होने पर अपने लोकप्रिय मॉडल सेल्टोस, सोनेट और कैरेंस के 'ग्रेविटी' संस्करण पेश किए हैं। कंपनी ने यह जानकारी दी। किआ इंडिया ने एक बयान में कहा कि उसके ग्रेविटी संस्करण को कई खास खूबियां एवं सुविधाओं से लैस किया गया है। इनमें डैश कैम, बड़ा डिजिटल क्लस्टर, वॉल्टेज सीट, बेहतरीन स्पीकर और इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक शामिल हैं।

देश में गणेश उत्सव की धूम

आज घर-घर शुभ मुहूर्त में विराजे जाएंगे सुखकर्ता, विघ्नहर्ता

एजेसी नई दिल्ली
पूरे देश भर में गणेश उत्सव की धूम आज से आरंभ हो जाएगी। गणेश चतुर्थी का यह त्योहार हर साल भाद्रपद माह की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन से दस दिनों तक उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। वैदिक पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि उदया तिथि शनिवार से शुरू होगी। आज गणेश जी प्रतिमा की स्थापना होगी और त्रत रखा जाएगा। भगवान गणेश सभी प्रकार के विघ्नों को दूर करते हैं और नए कार्यों की शुरुआत में शुभ फल देते हैं। देश भर में लोग गणेशजी की तरह-तरह की सामग्री और कई प्रकार के आकारों में हर साल नई प्रतिमाएं तैयार करते हैं। घरों में स्थापित करने के लिए छोटी प्रतिमाओं से लेकर पंडालों में बड़ी प्रतिमाएं तैयार की जाती हैं।



मुंबई के एक पंडाल में शतरंज की सफेद और काले रंग की गोदियों से गणेश जी की प्रतिमा को अंतिम रूप देते कारीगर।



कोलकाता में कन्फेचरनी के व्यवसाय से जुड़ी सोमा राक्षित ने 40 किलोग्राम खीर संदेश से गणेश जी की 6 फीट ऊंची प्रतिमा तैयार की है।



मुंबई के एक पंडाल में अलग-अलग रंग के ऊनी धागों से बनाए जा रहे भगवान गणपति जी की प्रतिमा को अंतिम रूप देता कारीगर।

खबर संक्षेप

बीजेडी सांसद सुजीत का राज्यसभा से इस्तीफा

नई दिल्ली। बीजू जनता दल (बीजेडी) से सांसद सुजीत कुमार ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक ने 'पार्टी विरोधी' गतिविधियों के लिए सुजीत कुमार को पार्टी से निकासित कर दिया है। बीजेडी सांसद के राज्यसभा से इस्तीफा देने का दूसरा मामला है।

क्रिकेटर्स के लिए दायर याचिका खारिज

मुंबई। मुंबई के विभिन्न स्टेडियम में प्लेयर्स के लिए शौचालय की मांग को लेकर दायर हुई याचिका को कोर्ट ने तुरंत खारिज कर दिया और वकील को फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा यह किस तरह की जनहित याचिका है? अगर क्रिकेटर्स को कोई समस्या हो रही है तो वो खुद हमारे पास आ जाएंगे। जस्टिस अभय एस. ओका ने कहा आपको याचिका खारिज करके सही काम किया।

रेल की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के करौली जिले में रेलगाड़ी की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। नारौली डांग पुलिस चौकी प्रभारी अभिजीत कुमार ने बताया कि हादसा गुरुवार रात सपोटरा उपखंड के निमोदा रेलवे स्टेशन के पास हुआ। पीड़ित गंगापुर से रणथंभौर स्थित मंदिर तक पैदल यात्रा कर रहे थे। बारिश के कारण तीनों रेल पटरियों पर चलने लगे थे।

आप विधायक राजेंद्र कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) को एक और झटका लगा है। दिल्ली के पूर्व मंत्री और सीमापारी सीट से आप विधायक राजेंद्र पाल गौतम कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव और पवन खेड़ा ने उन्हें कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई।

फ्रीस्टाइल में ज्योति ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। ज्योति बवाल ने स्पेन के पोंटेवेद्रा में अंडर 20 कुरुती विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं के 76 किलो फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने कल फाइनल में यूक्रेन की मारिया ऑर्लीविच को हराया। 2023 में प्रिया मलिक के दावे के बाद महिलाओं 76 किलो वर्ग में भारत का ये लगातार दूसरा विश्व खिताब है। भारतीय फलवानों ने इसी वर्ग में दो और मेडल जीते हैं।

पीएम ने गुजरात में 'जल संचय, जन भागीदारी पहल' की शुरुआत की बोले-जल संरक्षण मानवता के भविष्य का सवाल यह नीति नहीं हमारी सामूहिक जिम्मेदारी भी

एजेसी नई दिल्ली
पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये गुजरात के सूरत में 'जल संचय जनभागीदारी पहल' का शुभारंभ किया। पीएम ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज गुजरात की धरती से जलशक्ति मंत्रालय द्वारा एक अहम अभियान का शुभारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा हाल के दिनों में देश के हर कोने में वर्षा का जो तांडव हुआ, देश का शायद ही कोई ऐसा इलाका होगा जिसको इस मुसीबत का सामना न करना पड़ा हो।

पीएम ने कहा कि जल संचय केवल एक नीति नहीं, हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। ये एक प्रयास भी है, एक पुण्य भी है। इसमें उदारता भी है और उत्तरदायित्व भी है। आने वाली पीढ़ियां जब हमारा आकलन करेंगी तो पानी के प्रति हमारा रवैया शायद उनका पहला पैमाना होगा। क्योंकि ये केवल संसाधनों का प्रश्न नहीं है। ये प्रश्न जीवन का है, ये प्रश्न मानवता के भविष्य का है। इसलिए हमने टिकाऊ भविष्य के लिए जिन 9 संकल्पों को सामने रखा है, उनमें जल संरक्षण पहला संकल्प है। उन्होंने कहा कि इस बार गुजरात पर बहुत बड़ा संकट आया। सारी व्यवस्थाओं की ताकत नहीं थी कि प्रकृति के इस प्रकोप के सामने हम टिक पाएं लेकिन संकट की घड़ी में कंधे से कंधा मिलाकर हर कोई, हर किसी की मदद करता है।

जल संरक्षण टिकाऊ भविष्य के 9 संकल्पों में से एक

जल को हम ईश्वर और नदियों को देवी के रूप में देखते हैं

जागरूक जनमानस, जनभागीदारी और जनआंदोलन इस अभियान की बड़ी ताकत

24,800 वर्षा जल संचयन का हो रहा निर्माण

पीएम ने कहा कि जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण से हमारे लिए कोई नए शब्द नहीं है। ये भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। हम उस संस्कृति के लोग हैं, जहां जल को ईश्वर का रूप कहा गया है। नदियों को देवी माना गया है, सरोवरों और कुंडों को देवालय का दर्जा मिला है। सामूहिक भागीदारी से राज्यभर में लगभग 24,800 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। ये पुनर्निर्माण संरचनाएं वर्षा जल संचयन को बढ़ाने और दीर्घकालिक जल स्थिरता सुनिश्चित करने में सहायक होंगी।

हाथरस में भीषण सड़क हादसा बस से हुई टक्कर, पिकअप में सवार 15 की मौत, 16 जखमी, एक गंभीर

एजेसी हाथरस
यूपी के हाथरस में शुक्रवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ। दो गाड़ियों की टक्कर में 15 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 16 लोग जखमी भी हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक, मारे गए लोग तेरहवीं का भोज खाकर लौट रहे थे। खंडौली के पास ओवरलोडेड पिकअप को रोडवेज बस ने पीछे से टक्कर मारी। पिकअप में 30 से 32 लोग सवार थे। हादसे पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदिन्याय ने दुख व्यक्त किया है। पीएम की ओर से मृतक के परिजनों को 2 लाख और

बाद से जूझ रहे आंध्र प्रदेश के लिए केंद्र सरकार की मदद 3400 करोड़ के फंड से बाढ़ प्रभावितों को तत्काल राहत

एजेसी विजयवाड़ा
आंध्रप्रदेश व विजयवाड़ा में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने पहुंचे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने राहत की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फंड (एसडीआरएफ) का उपयोग प्रभावितों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए किया जाएगा। दरअसल, केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान एक दिन पूर्व गुरुवार को प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर शुक्रवार को बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बाढ़ से नुकसान का आकलन किया गया। बाढ़ के कारण किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गईं और केला, हल्दी, धान व सब्जियों की फसलों को 100 प्रतिशत नुकसान हुआ है। इस नुकसान का देखते हुए आंध्रप्रदेश में 3400 करोड़ रुपए से अधिक के स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फंड (एसडीआरएफ) का उपयोग प्रभावितों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू की अगुवाई वाली राज्य सरकार के साथ पूरा सहयोग कर रही है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस पूर्व प्रिंसिपल घोष के ठिकानों पर ईडी की रेड, प्रसून भी हिरासत में

एजेसी कोलकाता
कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के ठिकानों पर शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने छापा मारा। अस्पताल में वित्तीय गड़बड़ी के आरोपों पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर यह कार्रवाई की। इससे पहले सीबीआई इसी मामले में भ्रष्टाचार के आरोप पर घोष को गिरफ्तार कर चुकी है। ईडी ने सुबह घोष के बेलियाघाटा स्थित घर और उनके करीबियों के हावड़ा और सुभाषग्राम स्थित दो ठिकानों पर छापेमारी की। 7 घंटे की कार्रवाई के बाद ईडी ने संदीप घोष के करीबी प्रसून चटर्जी को सुभाषग्राम के डे पारा इलाके में उनके आवास से हिरासत में लिया। चटर्जी को आरजी कर के सेमिनार हॉल से वायरल हुए वीडियो में भी देखा गया था।

सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इकाए

आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। दरअसल, कोर्ट ने संदीप घोष की याचिका पर सुनवाई करने से ही इंकार कर दिया है। बता दें, संदीप घोष ने वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई से जांच करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। ऐसे में संदीप घोष को एक बड़ा झटका लगा है।

अपराधिता बिल सीएन नमता ने अटकाया

पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीबी आनंद बोस ने कहा है कि अपराधिता बिल नमता सरकार के कारण पेंडिंग है। उसने बिल के साथ टेक्निकल रिपोर्ट नहीं भेजी है। इसके बिल बिल को मंजूरी नहीं दी जा सकता। राजमन्जन की ओर से गुरुवार 5 सितंबर को जारी बयान में बताया गया कि नमता सरकार के इस रवैये से गवर्नर बोस नाराज हैं। महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े इस महत्वपूर्ण बिल को लेकर नमता सरकार ने कोई होमवर्क नहीं किया। राज्य सरकार पहले भी ऐसा करती रही है। विधानसभा से पास हुए कई बिल की टेक्निकल रिपोर्ट राजमन्जन नहीं भेजी जाती है।

सीबीआई जांच में नया खुलासा

इस बीच 5 सितंबर को सीबीआई की जांच में सामने आया है कि ट्रेजी डॉक्टर के रेप-मर्डर के अगले दिन ही संदीप घोष ने सेमिनार हॉल से लगे कमरों के रोजीटेशन का ऑर्डर दिया था। ट्रेजी डॉक्टर का शव 9 अगस्त की सुबह सेमिनार हॉल में ही मिला था। यूजों के मुताबिक सीबीआई को ऐसे डॉक्यूमेंट मिले हैं, जिनमें इस बात की पुष्टि हुई है कि संदीप घोष ने 10 अगस्त को लेटर लिखकर स्टेट पब्लिक वर्कर्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी) को सेमिनार हॉल से लगे कमरे और टॉयलेट का रोजीटेशन करने को कहा था। इस परमिशन लेटर पर घोष के साइन भी हैं। रेप-मर्डर केस और वित्तीय गड़बड़ी के बीच यह जांच लेटर एक बड़ी कड़ी बन सकती है।

सेबी अध्यक्ष माधवी बुच की मुश्किलें निरंतर बढ़ रही अब संसद की पीएसी समन जारी करने की तैयारी में

एजेसी नई दिल्ली
सेबी अध्यक्ष माधवी बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद कांग्रेस पार्टी ने 'ऑफिस ऑफ प्रॉफिट' का मामला उठाते हुए एक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किए। फिर सेबी के अधिकारियों ने उभरते रवैये के खिलाफ हल्ला बोला हुआ है। अब संसद की पब्लिक अकाउंट कमिटी (पीएसी), मार्केट रेगुलेटर सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच को समन जारी करने की तैयारी में है। उच्चाधिकार प्राप्त संसदीय समिति, पीएसी के इस कदम का उद्देश्य रेगुलेटरी संस्थान के परफॉर्मंस को रिव्यू करना होगा। पीएसी ने घोषणा की है कि वह 2024-25 सेशन के लिए मुख्य फोकस के रूप में संसद के अधिनियम के आधार पर स्थापित रेगुलेटरी बॉडीज के परफॉर्मंस को रिव्यू करेगी। इस रिव्यू में बुच के सेबी अध्यक्ष के खिलाफ लगे आरोपों की जांच भी की जाएगी। इस मामले में वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालयों के अधिकारियों से पूछताछ करने की भी पीएसी की योजना है। बुच को सितंबर के अंत तक समिति के सामने पेश होने के लिए बुलाया जा सकता है।

बाद से जूझ रहे आंध्र प्रदेश के लिए केंद्र सरकार की मदद

एजेसी नई दिल्ली
किसान को लगाया गले कहा-जिंदगी नहीं खोने देंगे
शिवराज सिंह चौहान ने तेलंगाना के खम्मम जिले में कृषि मंत्रों ने बाढ़ में फसल तबाह होने के बाद बिलख पड़े एक किसान को गले लगाकर व सिर्फ हिम्मत बचाई, बल्कि उससे कहा कि फसल खोई है, जिंदगी नहीं खोने देंगे। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू के विषय में शिवराज सिंह ने कहा कि वे भी चिंतित हैं, मैंने उनकी आंखों में आंसू भी देखे हैं।
नौसेना ने 180 से अधिक लोगों को बचाया
पूर्वी नौसेना कमान के तत्वावधान में आंध्र प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों में भारतीय नौसेना का राहत और बचाव अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा। बाढ़ राहत टीमों द्वारा 180 से अधिक कर्मियों को बचाया गया है। नौसेना के हेलीकॉप्टरों ने फंसे हुए व्यक्तियों के लिए भोजन के पैकेट, मेडिकल किट और पानी की बोतलें गिराने जैसे व्यापक उद्धार अभियान चलाए। बाढ़ राहत दल सक्रिय रूप से लोगों को सुरक्षित बिकाल रहे हैं और प्रभावित घरों में भोजन वितरित कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में फैल रहा स्वाइन फ्लू 17 की मौत, 300 से ज्यादा संक्रमित सरकार ने नियंत्रण के प्रयास तेज किए

एजेसी रायपुर
छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। प्रदेश भर में फिर से 14 नए स्वाइन फ्लू के मरीजों की पुष्टि हुई है। अब तक 300 से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं तो 17 की मौत हो चुकी है। सबसे अधिक बिलासपुर में 7 जानें गई हैं। रोकथाम के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो एनाएच1 वायरस बेकाबू हो सकता है। संक्रमण की रफ्तार को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने नियंत्रण के प्रयास तेज किए हैं। जनता को सलाह दी जा रही है कि वे सावधानी बरतें और गाइडलाइन का पालन करें। सिर्फ बिलासपुर जिले में 20 दिन में 144 मरीज मिले हैं। इनमें से 7 की मौत हो चुकी है। गुरुवार को तीन नए मरीजों की पहचान की गई है। लगातार स्वाइन फ्लू के मरीज मिल रहे हैं और जैसे-जैसे मरीज बढ़ रहे हैं, वैैसे-वैसे वायरस भी मजबूत होता जा रहा है और संपर्क में आने वालों को संक्रमित कर रहा है। खतरों को लेकर महासमुंद्र जिला भी अलर्ट मोड पर है।